चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 73, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 07 अप्रैल 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

यूक्रेन: खून बहाकर कोई समाधान नहीं निकलता

'बूचा नरसंहार की हो स्वतंत्र जांच'', यह एक गंभीर मसला

नई दिल्ली: रूस-यूक्रेन युद्ध और बूचा नरसंहार पर बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हम पहले दिन से संघर्ष के खिलाफ हैं। हमारा मानना है कि खून बहाकर और मासूमों की जान लेने से कोई समाधान नहीं निकलता है। कूटनीति ही किसी भी विवाद का सही हल है। हम यूक्रेन की हर संभव मदद कर रहे हैं। यूक्रेन में भारत किसकी वकालत कर रहा है, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत अपने हितों को देखते हुए फैसला ले रहा है।

बूचा नरसंहार की होनी चाहिए निष्पक्ष जांच: विदेश मंत्री ने कहा कि बूचा में आम नागरिकों की हत्या एक निंदनीय अपराध है। यह एक गंभीर मसला है। इसकी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष का वैश्विक और भारत की अर्थव्यवस्था पर काफी प्रभाव पड़ा है। ऐसे में हर देश अपनी नीतियां बदल रहा है और इस युद्ध के परिणामों का आंकलन कर रहा है। हम भी तय कर रहे हैं कि हमारे लिए राष्ट्रीय हित में सबसे अच्छा क्या है। उन्होंने कहा कि, ऐसे समय में जब ऊर्जा की लागत बढ़ रही है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि, भारत में आम नागरिकों पर ज्यादा बोझ न पड़े।

20 हजार लोगों को हमने निकाला: भारत की ओर से बार-बार एडवाइजरी जारी करते रहने पर विदेश मंत्री ने कहा कि, जब युद्ध की आशंका गहरा रही थी। हम यूक्रेन में भारतीयों के लिए लगातार एडवाइजरी जारी कर रहे थे। अगर हमारी एडवाइजरी अप्रभावी थे, तो युद्ध शुरू होने से पहले चार हजार लोग भारत क्यों लौट आए। हमने जिस तरह से 20 हजार लोगों को यूक्रेन से निकाला है, ऐसा कोई भी देश नहीं कर पाया। हम दूसरों के लिए प्रेरणा बनें। उन्होंने कहा कि, छात्रों की मानसिकता को समझने की जरूरत है। जब हम एडवाइजरी जारी कर रहे थे तब सरकारों और विश्वविद्यालयों को भरोसा था कि स्थितियां सुधर जाएंगी। लोग भी यही सोच रहे थे। छात्र अपने मित्रों से बात कर रहे थे कि, जब मैं नहीं जा रहा तो वह क्यों **जा रहे हैं।**

कर्नल ओमुरबेकोव पर लगा नरसंहार का आरोप

कीव/मॉस्को: रूस की ओर से यूक्रेन के खिलाफ शुरू की गई जंग में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। हालांकि, इसमें सबसे चौंकाने वाला घटनाक्रम कीव से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित बूचा नाम के छोटे से शहर से आया है। यूक्रेन की सरकार और सेना ने खुलासा किया है कि बूचा में रूसी सैनिकों ने मासूम लोगों का नरसंहार किया। इनमें बुजुर्गों से लेकर छोटे बच्चे तक शामिल रहे। हालांकि, रूस का कहना है कि उसने यूक्रेन में ऐसे किसी भी जनसंहार में हिस्सा नहीं लिया। रूस के इन्हीं दावों को यूक्रेन ने खारिज करते हुए उस रूसी कमांडर का नाम भी सामने रखा है, जिसने बूचा में आम लोगों की हत्याओं में हिस्सा लिया।

किस पर है बूचा में नरसंहार के आरोप?: रूस के जिस कमांडर को 'बूचा का कसाई' (बुचर ऑफ बूचा) कहा जा रहा है, उसका नाम लेफ्टिनेंट कर्नल अजात्बेक ओमुरबेकोव बताया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह 64वीं मोटरराइफल ब्रिगेड का कमांडर है, जिसे बूचा पर कब्जे की जिम्मेदारी दी गई थी। आरोप है कि पिछले हफ्ते बूचा से लौटने से पहले ओमुरबेकोव के निर्देश पर ही रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के आम लोगों के हाथ पीछे बांधे और एक-एक कर उन्हें गोली मार दी। ओमुरबेकोव की उम्र 40 साल बताई गई है। 2014 में उसे रूस में तत्कालीन उप रक्षामंत्री ने विशिष्ट सेवा मेडल से भी सम्मानित किया था। रूसी सेना की गतिविधियों पर नजर रखने वाले यूक्रेन के स्वयंसेवक उपक्रम इन्फॉर्मनेपाल्म के मुताबिक, ओमुरबेकोव रूसी सेना का टॉप कमांडर है और उसे पिछले नवंबर, 2021 में ही रूस की ऑर्थोडॉक्स चर्च के पादरियों से मिलते देखा गया था। इसके बाद उसे यूक्रेन से लगी सीमाओं पर तैनात किया गया। अपने एक संबोधन में ओमुरबेकोव ने कहा था कि अगर हम कोई भी लड़ाई अपनी आत्मा की ताकत से लड़ते हैं तो युद्ध में हथियार बेकार हो जाते हैं।

अब कहां है ओमुरबेकोव?
यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, बूचा में नरसंहार को अंजाम देने वाली सैन्य टुकड़ी बेलारूस भाग चुकी है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने कहा कि ओमुरबेकोव की बटालियन 30 मार्च को ही बूचा से भाग गई थी। हालांकि, अब इस टुकड़ी के पश्चिमी रूस के बेलगोरोद भेजे जाने की बातें भी सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि ओमुरबेकोव को आगे खारकीव जैसे इलाकों में भेजकर युद्ध को आगे भड़काया जा सकता है।

युद्ध अपराधों के लिए रूसी सेना पर की जाए कार्रवाई: जेलेंस्की

कीव: रूसी सेना के आक्रमण से अपने देश यूक्रेन को बचाने के लिए पिछले 40 दिन से जूझ रहे राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी सेना के खिलाफ कार्रवाई करने और उसे न्याय के कटघरे में लाने की अपील की। जेलेंस्की ने यह भावुक अपील संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए रूस के निष्कासन की मांग की है। जेलेंस्की ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है और इसकी प्रणाली में तत्काल सुधार

किया जाना चाहिए। सुरक्षा परिषद में सभी क्षेत्रों का उचित प्रतिनिधित्व होना चाहिए। जेलेंस्की ने रूसी सेना की यूक्रेन के बुचा बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की तुलना इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठन द्वारा की गई हिंसा से की है। उन्होंने युद्ध के मद्देनजर रूसी अपराधों के लिए जवाबदेही की मांग की। जेलेंस्की ने कहा कि अगर कोई विकल्प नहीं है तो अगला विकल्प खुद को पूरी तरह से भंग कर देगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, क्या आप संयुक्त राष्ट्र को बंद करने के लिए तैयार हैं और अंतरराष्ट्रीय कानून निष्प्रभावी हो गया है। यदि आपका उत्तर नहीं है तो आपको तुरंत कार्रवाई करने की आवश्यकता है। जेलेंस्की ने यूक्रेन की राजधानी कीव के बाहर बूचा शहर में नागरिकों के खिलाफ रूसी सैनिकों द्वारा किए गए अत्याचारों की एक प्रस्तुति दी और मृत शव सहित कई बच्चे दिखाते हुए ग्राफिक वीडियो प्रसारित किया। उन्होंने कहा कि सिर्फ उनकी खुशी के लिए वे अपने अपार्टमेंट घरों में मारे गए, हथगोले से उड़ाए गए, नागरिकों को सड़क के बीच में अपनी कारों में बैठकर टैंकों से कुचल दिया गया। उन्होंने अंगों को काट दिया, उनका गला काट दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का उनके बच्चों के सामने रेप किया गया ।

'अनुच्छेद-370 हटने के बाद 2105 कश्मीर पंडितों ने की वापसी'

नई दिल्ली: जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 के हटाये जाने के बाद से इस केंद्र शासित राज्य में 2105 कश्मीरी पंडित घाटी में लौट आये हैं।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में विशम्भर प्रसाद निषाद, छाया वर्मा, सुखराम सिंह यादव और रामनाथ ठाकुर के पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में बताया कि अनुच्छेद 370 निरस्त किये

जाने के बाद प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत प्रदान की गई नौकरियां लेने के लिए लगभग 2105 प्रवासी कश्मीर घाटी में वापस लौट आये हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020-21 में 841 और वर्ष 2021-22 में 1264 लोगों की नियुक्तियां की गई।

राय ने आगे बताया कि 05 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटने के बाद से 24 मार्च 2022 तक जम्मू कश्मीर में कुल 14 हिन्दुओं की हत्या हुई है।

इसमें कश्मीरी पंडित समेत अन्य हिन्दू समुदाय के लोग शामिल हैं।

'जम्मू-कश्मीर में 5 साल में 34 अल्पसंख्यकों ने आतंकी घटनाओं में गंवाई जान'

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर में विगत पांच वर्षों में अल्पसंख्यक समुदाय के 34 लोगों ने आतंकवादी घटनाओं में अपनी जान गंवा दी। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को लोकसभा में महेश पोद्दार के सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। गृह राज्य मंत्री राय ने कहा कि वर्ष 2017 में 11, वर्ष 2018 में 03, वर्ष 2019 में 06, वर्ष 2020 में 03 और वर्ष 2021 में 11 अल्पसंख्यकों ने आतंकवादी घटनाओं में अपनी जान गवांई। संसद को उन्होंने बताया कि भारतीय क्षेत्र में

आतंकवादी, सांप्रदायिक, वामपंथी उग्रवादी हिंसा और सीमा पार से गोलीबारी तथा आईईडी विस्फोट से आम नागरिक पीड़ितों के परिवारों को सहायता की केंद्रीय स्कीम की योजना के तहत 5 लाख रुपये प्रदान किये जाते हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर सरकार की मौजूदा स्कीम के तहत आतंकवादी हिंसा में मारे गये आम नागरिकों के निकटतम संबंधियों को एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि का भुगतान किया जाता है।

बीते तीन वर्षों में 390 लोगों की पुलिस हिरासत में हुई मौत'

नई दिल्ली: देश में बीते तीन वर्षों में पुलिस हिरासत में 390 लोगों की मौत हुई है। राज्यसभा में बुधवार को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने अपने उत्तर में एक अप्रैल 2019 से इस साल 31 मार्च तक के राज्यवार हिरासत में मौत के आंकड़े बताये। इसके अनुसार आंध्रप्रदेश- 07, अरूणाचल प्रदेश में 01, असम में 12, बिहार राज्य में 27 छत्तीसगढ़ 08, गोवा 01, गुजरात 53, हरियाणा में 10 हिमाचल प्रदेश में 04, झारखंड 12, कर्नाटक 17, केरल 17, मध्य प्रदेश 30, महाराष्ट्र 46, मणिपुर 03, मेघालय 07, मिजोरम 02, नागालैंड 02, ओडिशा 12, पंजाब 16, राजस्थान 21, सिक्किम 01, तमिलनाडु 19, तेलंगाना 05, त्रिपुरा 02, उप्र 20, उत्तराखंड 04, पश्चिम बंगाल 20, अंडमान और निकोबार 01, दिल्ली, 14, जम्मू और कश्मीर 04। नित्यानंद राय ने बताया कि मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) समय-समय पर परामर्श जारी करते है। इसके अतिरिक्त एनएचआरसी द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसरण में पुलिस अथवा न्यायिक हिरासत में प्राकृतिक अथवा अन्य।

रेलवे ने 1213 स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं से किया लैस

नई दिल्ली: भारतीय रेलवे ने आदर्श स्टेशन योजना के तहत देशभर के 1253 रेलवे स्टेशनों में से 1213 को विकसित कर विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस कर दिया है और शेष 40 स्टेशनों को वित्तीय वर्ष 2022-23 में विकसित करने का लक्ष्य रखा है। यह जानकारी रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। उन्होंने बताया कि इस समय, स्टेशनों पर बेहतर यात्री सुख-

सुविधाएं मुहैया करवाने की निर्धारित आवश्यकता के आधार पर आदर्श स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का उन्नयन, आधुनिकीकरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में, रेलवे स्टेशन के प्रमुख उन्नयन की एक नई योजना शुरू की गई है।

गोरखनाथ मंदिर: देवबंद से जुड़ रहे मुर्तजा के तार

एटीएस ने साथी आरोपी को दबोचा, पूछताछ जारी

देवबंद/सहारनपुर: गोरखपुर मंदिर की सुरक्षा में तैनात सिपाहियों पर हमला करने का आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी के तार देवबंद से जुड़ रहे हैं। सूचना पर एटीएस ने देवबंद पहुंचकर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। वहीं मुर्तजा के तार देवबंद से जुड़े होने के बाद पश्चिमी यूपी में खुफिया एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। गोरखनाथ मंदिर के तार सहारनपुर से जुड़े होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा है। मुर्तजा की गिरफ्तारी के बाद एटीएस ने थाना फतेहपुर क्षेत्र से एक संदिग्ध युवक को उठाया

है। चर्चा है कि मुर्तजा भी कई बार देवबंद आया है।

यह है पूरा मामला: गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात सिपाहियों (पीएसी जवान) पर धारदार हथियार से हमला करने के आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी को बरामद सामान के साथ पुलिस ने एटीएस को सौंप दिया है। गोरखनाथ थाने में दर्ज केस भी ट्रांसफर कर दिया गया है। मुर्तजा के करीबियों से पूछताछ के लिए एटीएस देवबंद भी पहुंची है। बताया गया कि मुर्तजा कुछ माह पहले ही देवबंद में आया था और यहां कई दिन रहा भी था। हालांकि पूरे मामले में एटीएस, पुलिस, एसटीएफ और खुफिया एजेंसियां अलग-अलग जांच कर रही हैं। मुर्तजा नेपाल, मुंबई, कोयंबटूर, जामनगर, गाजीपुर भी हाल के दिनों में गया था।

रक्षा क्षेत्र : स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने पर बल

तीसरी सूची में शामिल 100 रक्षा हथियारों के आयात पर प्रतिबंध लगेगा

नई दिल्ली: भारतीय रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को तीसरी सूची जारी करेंगे। इस सूची में 100 से अधिक आइटम (हथियार) शामिल होंगे। इन्हें स्वदेश में ही विकसित किया जा रहा है। इन रक्षा वस्तुओं या उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगेगा और इन्हें केवल भारतीय फर्मों से ही खरीदा जा सकेगा। तीसरी सूची में शामिल आइटम को दिसंबर, 2025 तक पूरी तरह से स्वदेशी बनाया जाना है। इससे पहले 2020 से अब तक दो सूचियां जारी करके 209 हथियारों के

आयात पर प्रतिबन्ध लगाया जा चुका है। स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए 101 हथियारों और प्लेटफार्मों की पहली सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची 21 अगस्त, 2020 में अधिसूचित की गई थी। टैंक इंजन, रडार, कोरवेट सहित 108 हथियारों और प्लेटफार्मों की दूसरी सूची 31 मई, 2021 को जारी की गई थी। दोनों सूची में उल्लखित 209 प्रमुख उपकरणों, हथियारों और प्लेटफार्मों को तीसरी सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें दिसंबर, 2025 तक पूरी तरह से स्वदेशी बनाया जाना है। पहली सूची में मुख्य रूप से 155 एमएम और 52 कैलीबर के अल्ट्रा-लाइट होवित्जर, हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) एमके-1ए के लिए उन्नत स्वदेशी सामग्री, पारंपरिक पनडुब्बी और संचार उपग्रह जीसैट-7सी शामिल हैं। दूसरी सूची में अगली पीढ़ी के कार्वेट, भूमि आधारित एमआरएसएएम हथियार प्रणाली, स्मार्ट एंटी-फील्ड वेपन सिस्टम (एसएएडब्ल्यू) एमके-आई, टैंक टी-72, ऑनबोर्ड ऑक्सीजन जनरेशन सिस्टम (ओबीओजीएस) आधारित लड़ाकू विमानों के लिए एकीकृत जीवन समर्थन प्रणाली और 1000 हार्स पावर इंजन शामिल हैं। तीसरी सूची में जटिल उपकरण और प्रणालियों सहित 100 से अधिक आइटम शामिल होंगे।

'अगले विस चुनाव में एमवीए ही सत्ता में वापसी करेगी'

नई दिल्ली: एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में अगले विधानसभा चुनाव के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ही सत्ता में वापस आएगी। उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि वे किसी को उपेक्षित या दरकिनार महसूस न कराएं। जब हम बैठकर बात करते हैं तो ऐसा कोई मामला नहीं उठाया जाता है। यूपीए के नेतृत्व के बारे में पूछे जाने पर

उन्होंने कहा कि मैंने कई बार कहा है कि मुझे यह जिम्मेदारी लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैंने संजय राउत की संपत्तियों को कुर्क करने के मामले को प्रधानमंत्री के सामने रखा। अगर कोई केंद्रीय एजेंसी इस तरह का कदम उठाती है तो उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी।

खबर संक्षेप

जमीन की खरीद-फरोख्त को लेकर आपराधिक केस की कार्रवाई पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमीन के सौदे में धोखाधड़ी और षड्यंत्र के आरोपी भवानी सिंह परिहार के खिलाफ न्यायिक मजिस्ट्रेट झांसी की अदालत में चल रहे आपराधिक केस की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका की सुनवाई 2 मई को होगी। कोर्ट ने कहा कि बेची जा चुकी जमीन का विक्रय करार का मामला सिविल प्रकृति का है और सम्मन बिना तारीख के जारी किया गया है। प्रथमदृष्टया न्यायिक विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मामला विचारणीय है। यह आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार ने दिया है। याची का कहना है कि उसे फंसाया गया है। उसने न जमीन बेची है और न ही जमीन उसके कब्जे में है। प्रेमनगर थाने में एफ आई आर दर्ज कराई गई कि विपक्षी की जमीन का सीताराम की मिलीभगत से याची ने विक्रय करार कर लिया है। जिसका पहले ही 11 जुलाई, 2013 को बैनामा हो चुका है। याची अधिवक्ता का तर्क था कि एक तो पुलिस चार्जशीट पर मजिस्ट्रेट ने बिना तारीख के मैकेनिकल तरीके से सम्मन जारी किया। जो विधि के विपरीत है। दूसरे जमीन की खरीद-फरोख्त का विवाद सिविल विवाद है। आपराधिक केस नहीं चल सकता।

नैनी सेंट्रल जेल से रिहा किए गए 8 कैदी

अखंड भारत संदेश

सजा पूरी होने के बाद भी जुर्माने का सजा काट रहे थे कैदी

सेंट्रल जेल के बाहर निकले कैदी

नैनी। प्रयागराज के नैनी सेंट्रल जेल में सजा काट रहे 8 कैदी को बुधवार को प्रदेश सरकार के फैसले से छोड़ा गया वे सभी लंबे समय से जेल में सजा पूरी होने के बावजूद अर्थदंड जमा न कर पाने के चलते सजा काट रहे थे। बताते चलें कि योगी सरकार ने फैसला लिया था की ऐसे कैदियों को चिन्हित कर उनकी अर्थदंड की राशि को जमा कर उन्हें रिहा किया जाए। इसको देखते हुए प्रयागराज के नैनी सेंट्रल जेल में बंद 8 कैदियों को आज रिहा किया गया है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीएन पांडेय ने बताया कि सभी 8 कैदियों की करीब 26 हजार जुमार्ना की राशि जमा कराके आज रिहा किया गया है। ये कैदी विभिन्न मामलों में सजा काट रहे थे। इनकी सजा पूरी हो चुकी थी। जुमार्ना न जमा कर पाने के कारण इनकी सजा की अवधि बढ़ गई थी। छत्तीसगढ़ की मेकिंग नॉट फॉर गुड नामक एनजीओ ने सभी 136 कैदियों के जुमार्ने की राशि जमा कर दी है।

घर तक पहुंचाने के लिए किराया भी दिया : सभी कैदियों को उनके घर तक पहुंचने के लिए किराए के तौर पर जरूरी धनराशि भी दी गई है। वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीएन पांडे ने बताया कि 8 कैदियों में से चार कैदी प्रयागराज के हैं बाकी जिले के बाहर के कैदी हैं। इन सभी को दूरी के हिसाब से किराया दिया गया है।

रिहाई के बाद चेहरे पर दिखी मुस्कान : जेल अधीक्षक ने बताया कि रिहाई से पहले सभी कैदियों को कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया है। इस बात के लिए ब्रीफ किया गया है, की भविष्य में वे समाज की मुख्य धारा से जुड़कर कार्य करेंगे। कोई भी नकारात्मक प्रभाव में नही आएंगे। वहीं जेल से औपचारिकताएं पूरी होने के बाद रिहा होने वाले कैदियों के चेहरे पर मुस्कान भी देखने को मिली।

नैनी सेंट्रल जेल से कैदी हुए रिहा : रोहित पटेल जबलपुर, मोहम्मद अलीम करेली प्रयागराज, अकील धूमनगंज प्रयागराज, रवींद्र यादव, कीडगंज प्रयागराज, मोहम्मद फजलेश मीरगंज जौनपुर, रूप प्रसाद धूमनगंज प्रयागराज, अब्दुल सईद पिपरी कौशांबी, छुन्ना तिवारी श्रीनगर महोबा के रहने वाले हैं।

खेलकूद से बच्चों का होता है शारीरिक विकास

अखंड भारत संदेश

खेल दिवस पर विद्यालय के प्रांगण में शिक्षिका सहित उपस्थित बच्चे।

सहसों। बच्चों, युवाओं में खेलकूद की प्रतिस्पर्धा से इनके शारीरिक विकास में बहुत ही सहायक सिद्ध होता है। अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर क्षेत्र के भरद्वाज गुरुकुलम संस्थान रुदापुर में बुधवार को विद्यालय के प्रांगण में बच्चों को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका संयोगिता सिंह ने बच्चों को खेल के महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि दुनिया में 1896 में पहली बार एथेंस में आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरूआत हुई थी और आज तक इसे अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के रुप में मनाया जाता है। आज आप सभी को दुनिया के खिलाड़ियों से प्रेरणा लेकर आप सब को भी दुनिया में अपने देश का नाम रोशन करना चाहिए । खेलों से आपका सुंदर स्वास्थ्य तो होता ही है मन भी मजबूत होता है इस अवसर पर विद्यालय के क्रीड़ा शिक्षक द्वारा बच्चों को वॉलीबॉल खेल का अभ्यास भी कराया गया। संस्थान के प्रबंधक विनय उपाध्याय ने कहा कि खेल में स्वस्थ प्रतियोगिता और स्वस्थ मन से प्रतिस्पर्धा के लिए हिस्सेदारी होनी चाहिए। हम सबको अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए आपसी बैर भाव भूल जाना चाहिए। जीत उसी की होती है जो कठिन परिश्रम और मेहनत से प्रतिस्पर्धा करता है। इस अवसर पर क्रीड़ा प्रतियोगिता में मोहम्मद समीर को प्रथम, आर्यन गुप्ता द्वितीय व कुमारी प्रिया को तृतीय पुरस्कार प्रदान कर बच्चों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

डीएम की अध्यक्षता में विकास परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

बैठक करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए कार्य को गुणवत्ता एवं समय से पूरा कराये जाने के दिए निर्देश जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में 50 लाख रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कृषक कल्याण केन्द्र, आयुवेर्दीक महाविद्यालय हण्डिया, तरणताल का जीर्णोद्धार, हेल्थ वेयरनेस सेंटर का निर्माण कार्य, पालीटेक्निक जसरा, अग्निशमन केन्द्र कोरांव, युनानी मेडिकल कालेज, राजकीय महाविद्यालय सैदाबाद, विधि विज्ञानशाला फाफामऊ, निषादराज पार्क का निर्माण, विकास खण्ड जसरा में मिनी स्टेडियम, सीएससी कोटवा का निर्माण कार्य, टीबी सप्रू के उच्चीकरण, कोरांव में आवासीय भवन के निर्माण कार्य, सोरांव में आईटीआई के निर्माण कार्य, लाक्षागृह, राष्ट्रीय महिला विश्वविद्यालय फूलपुर, फाफामऊ पॉलिटेक्निक, खेलगांव, रज्जू भईया, यूनिवर्सिटी में कराये जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली।जिलाधिकारी ने श्रृंगवेरपुर, सहसों एवं फूलपुर में कृषक कल्याण केन्द्र के कार्य को तेजी से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये है। उन्होंने हेल्थ वेयरनेस सेंटरों के निर्माण कार्य में जमीन की उपलब्धता को जल्द से जल्द सुनिश्चित करा लेने के लिए कहा साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने पर स्वास्थ्य विभाग के एई अवधेश गुप्ता को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के लिए कहा है, इसके साथ ही इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी बनाए गये डॉ0 अशोक कुमार को स्पष्टीकरण तलब किया। लाक्षागृह के निर्माण कार्य में भी देरी पर नाराजगी जताते हुए कार्य को जल्द से पूरा कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने सेतु निगम के अधिकारियों से कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट में जिस भी वजह से कोई रूकावट आ रही है, तो उसकी सूची हमें उपलब्ध करायें, जिससे की जल्द से जल्द इन रूकावटों को दूर कर कार्य को पूरा कराया जा सके। राजकीय निर्माण निगम द्वारा कराये जा रहे विधि विज्ञानशाला फाफामऊ, कोरांव में आईटीआई का निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी के अधिकारियों से कहा कि जिस कार्य के लिए बजट उपलब्ध है, उस कार्य को समय से पूरा करायें। उन्होंने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया करते हुए कहा कि मैनपॉवर को बढ़ाकर कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करायें। जिलाधिकारी ने पूरे हो चुके निर्माण कार्यों में इलेक्ट्रिक से सम्बंधित कार्य नहीं हुआ है, तो उसकी सूची बनाकर हमें उपलब्ध करायें। उन्होंने सभी संस्थाओं को लक्ष्य तय करके कार्य को करने को कहा है साथ ही सभी संस्थायें अपने मानीटरिंग आफिसर तय कर लें और उन्हें टीम बनाने की जिम्मेदारी देते हुए निर्माण कार्यों की मानीटरिंग करायें साथ ही उनकी जिम्मेदारी भी तय की जाये। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को अपने-अपने विभागों से जुड़े हुए कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास की लिस्ट बनाकर उपलब्ध करायें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्कंदमाता की श्रद्धालुओं ने की उपासना

बुड्ढी मैया मंदिर पर आरती के बाद भजन करती महिलाएं

अखंड भारत संदेश

झूंसी। चैत्र नवरात्र के पंचम दिवस भक्तो ने स्कंदमाता की पूजा अर्चना की घरों व मंदिरों में मां जगदंबे के पांचवें स्वरूप स्कंदमाता का विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया।

कोटवा स्थित माँ अन्नपूर्णा धाम पर बुड्ढी मईया मंदिर के आचार्य पं. धर्मेंद्र जी महाराज ने बताया कि देवी का यह स्वरूप नारी शक्ति व मातृ शक्ति का संजीव चरित्र है इस माँ के इस स्वरूप को स्कंदमाता कहा जाता है। मंदिर पर माँ की प्रतिमा को गंगा जल से स्नान कराया गया जिसके बाद हल्दी, कुमकुम लगा कर बहुरंगी फूलों से माँ का सिंगार किया गया। पूरे दिन भक्त स्कंदमाता के दर्शन पूजन को पहुचते रहे। शाम के 7:30 पर माँ की आरती में सैकड़ो श्राद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर के पुजारी अवधेश के साथ गुलाब सिंह, अभिषेक मिश्रा, रतन सिंह, आजाद सिंह, सृजन मिश्रा, मोतीलाल, अरमान, अखिल सिंह, निखिल आदि व्यवस्था में लगे रहे।

नैनी जेल में 516 कैदी नवरात्रि का व्रत तो 450 रख रहे रोजा

नैनी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित नैनी सेंट्रल जेल में बंद महिलाओं सहित कुल 516 कैदी नवरात्रि में नौ दिन का उपवास रख रहे हैं। वहीं करीब 450 कैदी रमजान के रोजे रख रहे हैं। जेल अधिकारियों ने इनके लिए खास इंतेजाम भी किए हैं। जेल अधिकारियों ने बताया कि चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कुल 1,532 कैदियों ने उपवास रखा और नवरात्रि के आठवें दिन भी इतने ही कैदियों के उपवास रखने की उम्मीद है। वहीं इन 1,532 कैदियों में से 516 कैदी नवरात्रि के तमाम धार्मिक अनुष्ठानों का पालन करते हुए पूरे नौ दिनों का उपवास रख रहे हैं। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक पीएन पांडेय ने बताया, ह्यनवरात्रि के पहले दिन कुल 1,532 कैदियों ने उपवास रखा था और अष्टमी के दिन भी इतने ही लोगों के उपवास रखने की भी उम्मीद है। इन 1,532 कैदियों में से 516 कैदी पूरे नौ दिन के उपवास पर हैं। वरिष्ठ जेल अधीक्षक आगे बताया कि नवरात्रि के व्रत रखने वाले हर एक कैदी को आधा किलो आलू, तीन केले, 250 ग्राम दूध और 100 ग्राम चीनी दी जा रही है।

मनकामेश्वरी शक्ति पीठम में महाआरती संपन्न

प्रतापपुर। विश्व हिन्दू परिषद् प्रखंड प्रतापपुर एवं मां भगवती वैदिक शिक्षण शोध जनसेवा संस्थान के द्वारा आयोजित महाआरती कार्यक्रम के तहत मां मनकामेश्वरी शक्ति पीठम गहरपुर खखैचा में ग्राम वासियों के सहयोग से भव्य महाआरती कार्यक्रम संपन्न हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने जिसके घर में जितने सदस्य हैं उतने दीपक से मां की आरती करके पंचम दिवस में स्कन्द माता से संतान के सुख और समृद्धि की कामना किया।इस अवसर पर विहिप के प्रखंड अध्यक्ष अशोक दुबे,सत्संग प्रमुख आचार्य धीरज द्विवेदी "याज्ञिक",खंड सत्संग प्रमुख कृष्ण लाल तिवारी, खंड अध्यक्ष आकाश गुप्ता, जंघई से बजरंगदल के विनोद यादव, पारस नाथ मिश्र, कारसेवक छोटेलाल उपाध्याय, ब्रह्म प्रसाद मिश्र भुल्लन, त्रिशूली दूबे, राजेन्द्र प्रसाद दुबे, चंद्रशेखर दुबे, ब्रह्म प्रसाद मिश्र,मातृ शक्ति में फूलकुमारी, ज्योति द्विवेदी आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया भाजपा ने स्थापना दिवस

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। प्रयागराज।आज समूचे दक्षिणांचल में ही नहीं वरन संपूर्ण भारत वर्ष में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ भारतीय जनता पार्टी का 42वा स्थापना दिवस मनाया गया' लोगों ने बड़ी मात्रा में एकत्रित होकर भारत माता की जय भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद एवं महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किए तथा भारतवर्ष को एक बार फिर से सोने की चिड़िया बनवाने हेतु अपना सहयोग देने हेतु संकल्पित हुए । इसी क्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि ओंकार नाथ केसरवानी द्वारा बड़ी मात्रा में कार्यकताओं को एकत्रित कर स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया सर्वप्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके संघर्षों को याद किया गया तत्पश्चात देश की सूची प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव भाषण भी देखा गया तथा उनके द्वारा बताए गए मूल मंत्र को अपने जीवन में उतारने हेतु भी ठाना गया । कार्यक्रम के दौरान ओंकार नाथ केसरवानी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि भाजपा की कथित विचारधारा एकात्म मानववाद सर्वप्रथम 1965 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दी थी। पार्टी हिंदुत्व के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करती है और नदियां ऐतिहासिक रूप से हिंदू राष्ट्रवाद की पक्षधर रही हैं' पार्टी की विदेश नीति राष्ट्रवादी सिद्धांतों पर केंद्रित रहती हैं' जम्मू और कश्मीर के लिए विशेष संवैधानिक दर्जा खत्म करना, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करना तथा सभी भारतीयों के लिए समान नागरिकता कानून का कार्यवान करना भाजपा के प्रमुख उद्देश्य रहे हैं' भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और भारत के ज्यादा से ज्यादा राज्यों में स्थापित है' प्रदेश में योगी आदित्यनाथ जी एवं देश में नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में चारों ओर विकास की गंगा बहुत ही तेजी से बह रही है और जल्द ही भारत एक बार फिर से सोने की चिड़िया कहलाएगा।आज बड़े से बड़ा अपराधी और भूमाफिया अपने को बहुत ही ज्यादा भयभीत महसूस कर रहा है और ज्यादा से ज्यादा उनकी संपत्ति को कुर्क करके असहाय गरीब लोगों में बांटने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है जिसकी चर्चा संपूर्ण भारत वर्ष में हो रही हैं। उक्त मौके पर मुख्य रूप से सुनील कुमार, विजय पाल,कामता प्रसाद,उमाकांत पांडे,रमेश द्विवेदी,गजेंद्र शुक्ला, अशोक पांडे,अशोक पाल,नंदू शुक्ला,गौतम जी,महेंद्र चौरसिया, राममणि केसरी,श्यामबाबू केसरी,रमाकांत पांडे,सुनील केसरी, भाईलाल आदिवासी, छोल्लर कोरी सहित दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें।

भाजपा कार्यकताओं ने मनाया स्थापना दिवस

नैनी। भारतीय जनता पार्टी नैनी मंडल द्वारा पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर नैनी स्थित एक गेस्ट हाउस में ध्वजारोहण किया गया। साथ ही पद यात्रा निकाला गया। इस अवसर पर भाजपा नेता रणजीत सिंह एवं बी. बी सिंह ने डॉ. श्यामा प्रशाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी और संचालन महामंत्री पं. रामजी मिश्र ने किया । इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरिकृष्ण तिवारी , लक्ष्मी कांत तिवारी, शिवदानी सिंह , विनोद शंकर तिवारी, विनय सिंह , रजत दुबे, श्याम मिश्र , नीरज त्रिपाठी, नीरज शर्मा,विद्या सिंह, अनुराधा सिंह, प्रमोद शर्मा, आकांक्षा जायसवाल, सुमन गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

अम्बेडकर जयन्ती पर दिया जायेगा डा. अम्बेडकर समाज सेवा सम्मान व प्रबुद्ध गौतम बाल रंगमंच सम्मान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आगामी 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा. भीमराव रामजी अम्बेडकर जी की जयंती के पावन अवसर पर डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा), देवपती मेमोरियल ट्रस्ट। और प्रबुद्ध फाउंडेशन द्वारा बाल कलाकारों व समाजसेवी अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया जायेगा उक्त निर्णय सोमवार को दावा और प्रबुद्ध फाउंडेशन के अलोपीबाग स्थित कार्यालय पर प्रबंध कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रबुद्ध फाउंडेशन के प्रबन्धक/ सचिव उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रंग निर्देशक रामबृज गौतम ने की। संयुक्त बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास हुआ कि अम्बेडकर जयंती के अवसर पर हाईकोर्ट स्थित डा. अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर आयोजित हो रहे डा. अम्बेडकर मेला-2022 में एक ओर जहां डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन ((दावा) की ओर से जनपद हरदोई में तैनात उद्योग विभाग के डिप्टी कमिश्नर संजय कुमार, प्रयागराज के भूमि संरक्षण अधिकारी गौरव प्रकाश, असि. कमिश्नर वाणिज्य कर केदार नाथ व मिथलेश कुमार, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रामस्वरूप, सहायक अभियंता कामिनी कौशल, सहायक अभियंता समरजीता सोनकर, सहायक अभियंता ज्योति प्रकाश सोनकर, सहायक अभियंता विजय कुमार, जूनियर इंजीनियर संतोष चंद्र व जूनियर इंजीनियर मुन्ना कुमार तथा जल निगम के अधिशासी अभियंता नीरज कुमार, सहायक अभियंता ऋषिकेश कुमार, रंजीत कुमार तथा मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के डा. दिनेश कुमार, डा. कमलेश कुमार सोनकर, डा. अशोक कुमार प्रियदर्शी, व सिविल लाइन डिपो के एआरएम सी. बी. राम को डा. अम्बेडकर समाज सेवा सम्मान- 2020 व 2021 दिया जायेगा तो वहीं दूसरी ओर प्रबुद्ध फाउंडेशन की ओर से बहुजन साहित्य कला और संस्कृति के साथ साथ बहुजन रंगमंच के संरक्षण संबर्धन व उसके विकास के साथ साथ उसके पुनरस्थापत्य के लिये सतत कार्य कर रहे बाल कलाकारों में प्रज्ञा गौतम, आंचल, रिया, प्रज्ञा रश्मि गौतम, उन्नति राज, पायल तथा इशान्त, श्रेष्ठ, शशि सिद्धार्थ व हर्षराज को प्रबुद्ध गौतम बाल रंगमंच सम्मान-2020 व 2021 प्रदान किया जाएगा। एक ओर जहां डा. अम्बेडकर समाज सेवा सम्मान-2020 व 2021 के लिये प्रत्येक अधिकारी को अंगवस्त्र व सम्मान पत्र दिया जाएगा तो वही प्रबुद्ध गौतम बाल रंगमंच सम्मान-2020 व 2021 के लिये प्रत्येक बाल कलाकारों को दो-दो हजार रुपये व सम्मान पत्र दिया जाएगा। कोविड-19 जैसी भयंकर महामारी के प्रकोप और लाकडाउन के चलते विगत दो वर्षों का सम्मान एक साथ दिया जाएगा।

समानता के संघर्ष का डा.अम्बेडकर मेला-2022 का आयोजन 14 अप्रैल को

जेल में बंद कुख्यात अपराधी राजा पांडेय के साले को मुठभेड़ में लगी गोली

अखंड भारत संदेश

करछना। जनपद के करछना थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव निवासी संविदाकर्मी मंगला प्रसाद पांडेय की हत्या में वांछित चल रहे 25 हजार के इनामी अपराधी दीपक उर्फ राहुल सिंह को बुधवार रात पुलिस मुठभेड़ में गोली लग गई। पैर में गोली लगने पर पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया और फिर अस्पताल पहुंचाया। अभियुक्त के कब्जे से एक बाइक, तमंचा और दो कारतूस बरामद हुई है। वह प्रतापगढ़ के लालगंज का रहने वाला है। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। कुख्यात अपराधी दीपक सिंह ने मंगला प्रसाद के कत्ल की सुपारी फतेहगढ़ जेल में बंद हिस्ट्रीशीटर लवकुश उर्फ राजा पांडेय से ली थी।

16 मार्च की घटना में थी पुलिस को तलाश : करछना थाना क्षेत्र में 16 मार्च को क्वालिस सवार बदमाशों ने ड्यूटी से घर लौट रहे बाइक सवार मंगला प्रसाद को पहले कार से टक्कर मारकर घायल किया था। इसके बाद कार में लादकर पेचकस से गोदकर हत्या की गई थी। पुलिस ने 28 मार्च को राजा पांडेय के श्वसुर राजधर द्विवेदी समेत सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।जबकि प्रतापगढ़ का दीपक सिंह, मसिका औद्योगिक क्षेत्र के रहने वाले राजा पांडेय का पिता चंद्रमा पांडेय, भाई कमलेश पांडेय, चचेरा भाई नान उर्फ प्रतीक व राहुल दुबे को वांछित किया गया था। गिरफ्तारी न होने पर दीपक पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया कि बुधवार रात कुछ अपराधियों के करछना इलाके में होने की सूचना मिली थी, जिनकी गिरफ्तारी के लिए इंस्पेक्टर करछना टीकाराम व एसओजी यमुनापार प्रभारी दिवाकर सिंह की टीम को लगाया गया था। रात को टीम जब संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रही थी, तभी दीपक पुलिस को देखकर भागने लगा। पीछा करने पर उसने पुलिस पार्टी पर फायर किया। जवाब फायरिंग में दीपक के पैर में गोली लग गई। उसके खिलाफ प्रयागराज व प्रतापगढ़ में हत्या, लूट, डकैती के पांच मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस के हत्थे चढ़ा मुख्य आरोपित,युवक की हत्या के मामले मे पुलिस जल्द कर सकती है खुलासा

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के पाली करनपुर गांव निवासी दरोगा बाबूचंद्र यादव के पुत्र आशीष यादव की हत्या के मामले मे क्राइम ब्रांच की पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के जरिऐ मुख्य आरोपी को मऊ आइमा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। गोली मारने वाले युवक से पूंछतांछ की जारही है। जिससे यह कवायद लगाया जारहा है कि पुलिस जल्द ही युवक के हत्या की खुलासा कर सकती है। सराय इनायत थाना क्षेत्र के पाली करनपुर गांव निवासी दरोगा बाबू चंद्र यादव जो पुलिस विभाग में दरोगा हैं वर्तमान में लखनऊ में तैनात हैं इनके पुत्र आशीष यादव की सोमवार कि शाम पांडेपुर चौराहे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी मृतक के बड़े भाई आलोक यादव की तहरीर पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ हत्या सहित कई गंभीर धाराओं में पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जिसमे अबतक पुलिस ने मुख्य आरोपित सहित पांच लोगों को हिरासत मे लेकर पूंछतांछ कर रही है। पुलिस के अनुसार हत्या का कारण आशनाई भी हो सकता है।

मां और नाबालिग बेटी से रेप कर ब्लैकमेल करने के आरोपी की अग्रिम जमानत नामंजूर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वीडियो फुटेज तैयार कर ब्लैकमेल करने की धमकी देकर नाबालिग बेटी और मां से रेप और अवैध संबंध बनाने के आरोपी को अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि आरोप गंभीर है। गैर जमानती वारंट जारी है और कुर्की की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी फरार है। ऐसे में वह अग्रिम जमानत पाने का हकदार नहीं है। हालांकि कोर्ट ने याची को दो हफ्ते में अदालत में समर्पण कर जमानत अर्जी दाखिल करने पर कोर्ट को यथाशीघ्र अर्जी तय करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने योगेन्द्र कुमार मिश्र की अग्रिम जमानत अर्जी को खारिज करते हुए दिया है।अपर सत्र न्यायाधीश/पाक्सो वाराणसी ने 30 नवंबर, 2021 को याची को अग्रिम जमानत देने से इंकार कर दिया था। जिस पर यह अर्जी दाखिल की गई थी। याची के वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना था कि उसका परिवार है। वह शादीशुदा है। उसके बच्चे हैं। शिकायतकर्ता स्कूल में अध्यापिका है। नाबालिग बेटी के साथ अपने पति से अलग रहती है। याची भी उसी स्कूल में चपरासी है। सहमति से संबंध बनाए गए हैं। दोनों साथ रहते हैं।याची का बेटा शिकायतकर्ता की बेटी भाई-बहन जैसे रहते हैं। सबूत के तौर पर फोटोग्राफ और चैट दिखाया। याची का कहना था कि उसने शिकायतकर्ता के नाम से जमीन खरीदने का करार भी किया है। वह शादीशुदा है, इसलिए उससे शादी नहीं कर सकता। अभी उसका तलाक भी नहीं हुआ है। याची ने विक्रय करार के पैसे वापस ले लिए, तो उसे रेप के आरोप में फंसाया गया है। कोर्ट से गैरजमानती वारंट जारी है। साथ ही कुर्की की कार्रवाई शुरू की गई है। इसलिए अग्रिम जमानत दी जाए। कोर्ट ने कहा कि अग्रिम जमानत देते समय यह ध्यान में रखनी चाहिए कि अपराध की विवेचना प्रभावित न हो। आरोपी का उत्पीड़न न होने पाए और गलत तरीके से निरुद्ध न किया जाए। कोर्ट ने कहा कि याची ने पहले भरोसा जीता, फिर तोड़ दिया। मां के साथ नाबालिग बेटी से दुष्कर्म किया। वीडियो फुटेज से ब्लैकमेल करने लगा। विवेचना में सहयोग नहीं कर रहा। वारंट और कुर्की आदेश जारी है। ऐसे में वह अग्रिम जमानत पाने का हकदार नहीं है। कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी है।

डीएम कुशीनगर सीलबंद लिफाफे में जांच रिपोर्ट के साथ तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सील बंद जांच रिपोर्ट के साथ डीएम कुशीनगर को 11 अप्रैल को हाजिर होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि डीएम को ग्राम प्रधान पर भूमि अतिक्रमण करने के आरोप में कार्रवाई न करने की निष्पक्ष जांच रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया था। एस डी एम हाता ने रिपोर्ट के बजाय आधी-अधूरी जानकारी दी। इस पर कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की और कहा कि जिलाधिकारी हाईकोर्ट का आदेश देखते ही नहीं हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने शिवशंकर गुप्ता की याचिका पर दिया है। याची का कहना है कि जनहित याचिका पर कोर्ट ने डीएम को राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पालन नहीं किया गया, तो अवमानना याचिका दायर की गई। अवमानना याचिका के बाद एसडीएम ने जांच रिपोर्ट दी और ग्राम पंचायत पिपरा तिलावा में अतिक्रमण हटाने की संस्तुति की। सभी का अतिक्रमण हटा दिया गया, केवल ग्राम प्रधान पर कार्रवाई नहीं की गई। जिस पर यह याचिका दायर की गई। कोर्ट ने डीएम को निष्पक्ष जांच कर 2 महीने में सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

खबर संक्षेप

कभी लो कभी हाई बोलटेज से उपभोक्ता रहे परेशान

सोता रहा विभाग नहीं उठा एसडीओ का फोन

झूंसी। गर्मी साथ ही बिजली का भी पारा चढ़ने लगा है जिसकी वजह से विधुत व्यवस्था अब पटरी से उतरने लगी है। क्षेत्र में असमय बिजली कटौती की समस्या से परेशान उपभोक्ता बुधवार को हाई लो वोल्टेज की वजह से परेशान रहे। क्षेत्र में आए दिन लोकल फाल्ट व असमय विजली कटौती की वजह से पड़ रही भीषण गर्मी में पानी की भी समस्या से उपभोक्ताओं को जूझना पड़ रहा है।

आवास विकास कालोनी योजना 2 में बुधवार को पूरे दिन कभी लो कभी हाई वोल्टेज की वजह से उपभोगता परेशान रहे। उपभोक्ताओं की माने तो यह स्थिति तब और भी विकट हो जाती है जब लो वोल्टेज के तुरंत बाद वोल्टेज हाई हो जाता है। ऐसे में घर के विद्युत उपकरण के जलने का खतरा हो जा जाता हैं। मामले की शिकायत के लिए लोग एसडीओ झूंसी के सीयूजी नम्बर पर फोन करते रहे पर उनका फोन नही उठा।

बीएसएफ सेना के जवान का छतवा घाट पर हुवा अंतिम संस्कार, दी गई सलामी

बीएसएफ जवान शशिकांत पाण्डेय का सेना के जवानों की मौजूदगी में दी गयी श्रद्धांजलि

श्रत्रांजलि देते प्रशासनिक अधिकारी

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र के सिरसा छतवा गंगा घाट पर मेजा तहसील क्षेत्र के खीरी थाना अंतर्गत खूंटा गांव निवासी बीएसएफ के जवान शशिकांत पांडेय का सेना के जवानों की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। बता दें कि बीएसएफ के जवान शशिकांत पांडेय कोलकाता बटालियन मे तैनात थे। सोमवार को ड्यूटी के दौरान बिमारी के कारण उनकी मौत हो गई। मंगलवार की शाम उनका शव मेजा के खूंटा गांव पंहुचा तो परिवार मे कोहराम मच गया। जिनको बुधवार की सुबह मेजा के छतवा गंगा घाट पर परिजनों व सेना के जवानों ने अंतिम संस्कार कर श्रद्धांजलि दिया। बता दें कि मृतक सेना के जवान पांच भाईयों में दुसरे नंबर के थे। बड़े भाई भी बीएसएफ मे सेना के जवान हैं। पिता उदित नारायण पांडेय तीन बेटों के साथ घर पर रहते हैं। गंगा घाट पर अंतिम संस्कार मे उपजिलाधिकारी मेजा विनोद कुमार पांडेय, मेजा थाना प्रभारी धीरेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी खीरी, सिरसा चौकी प्रभारी हरिश्चंद्र शर्मा, बीएसएफ के जवान कर्नल अमित कुमार, कृपाल सिंह, संजय कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में सेना के जवान व ग्रामीण मौजूद रहे।

सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज में पूजन हवन के बाद शुरू हुई नए सत्र की कक्षाएं

झूंसी। क्षेत्र के सरायतकी स्थित सरोज विद्या शंकर इंटर कॉलेज एवं एसवी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को सरस्वती पूजन व हवन साथ नए सत्र की कक्षाओं का शुभारम्भ हुआ। पूजा पाठ के बाद कक्षाए आरम्भ हुई। विद्यालय के प्रबंधक डॉ दुर्गा प्रसाद मणि त्रिपाठी ने सभी छात्र छात्राओं को कठिन परिश्रम करके देश और समाज में कीर्ति पताका फहराने का आशीर्वाद दिया। प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी ने सभी छात्र छात्राओं से विद्यालय में प्रतिदिन उपस्थित होकर अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी, राम सिंह यादव, विजय बहादुर विश्वकर्मा , प्रवीण कुमार मिश्रा , कमलेश प्रसाद यादव, अभिषेक शर्मा, अरविंद त्रिपाठी, सूरज कुमार विश्वकर्मा, अनामिका तिवारी, मीना धुरिया, दिव्या पांडे , स्नेह लता दुबे , शशांक त्रिपाठी , अजय कुमार तिवारी , बृजभूषण राय, रत्नेश यादव, कौशलेश तिवारी, ममता मिश्रा, जयद्रथ ,अमित कुमार जैन, पूजा सिंह, अभिषेक कुमार मिश्र, पूजा शर्मा, प्रतिभा मिश्रा , मधुर दत्त ,पुरुषोत्तम, प्रिया पाठक, नीतू द्विवेदी , जागृति सिंह ,श्वेता पांडे ,दीपिका पांडे , अंकिता श्रीवास्तव आदि अभिभावक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्लास में अव्वल आने वाले बच्चों को मिला सम्मान

शंकरगढ़। राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ की वार्षिक गृह परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया, जिसमें कक्षा 6, 7, 8, 9 और 11 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्य एपी सिंह ने सम्मानित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से नए सत्र में अनुशासन में रहकर पठन-पाठन के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह ने बताया कि बीते सत्र में कक्षा छह में श्रद्धा तिवारी, कक्षा सात में प्रिया त्रिपाठी, कक्षा आठ में रिया त्रिपाठी, कक्षा नौ में रूद्र त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, शिवम प्रजापति, प्रकाश सिंह, अंजली यादव और कक्षा 11 में रुचि मिश्रा, सुहानी केसरवानी, जेसिका मिश्रा, पल्लवी सिंह, शिवशंकर द्विवेदी, राची सिंह, पावनी सिंह, अंजनीश सिंह, अर्पित सोनी ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर परीक्षा प्रभारी राम बोध खरवार, राकेश चंद्र मिश्रा, हरि कृष्ण, अजय कुमार, सीपी सिंह, अर्जुन सिंह तोमर, अरविंद कुमार गौतम, पन्नेलाल, ओपी धारिया, सिद्धार्थ तिवारी, प्रदीप सिंह, सुरेंद्र, योगेंद्र पांडेय, लाडली वर्मा, शैल त्रिपाठी आदि शिक्षक गण उपस्थित थे।

भटौती क्रेशर प्लांट : खुदाई के दौरान मिला करोड़ों का हीरा

खुदाई अस्थल पर मौजूद पुलिस

जांच पड़ताल करती पुलिस

हीरा जैसे टुकड़े को दिखाते पुलिस के जवान

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा प्रयागराज जनपद के यमुनापार क्षेत्र अन्तर्गत मेजा के भटौती क्रेशर प्लांट में खुदाई के समय करोड़ों रुपए का हीरा मिलने की सूचना पर हडकंप मच गया है। फिलहाल, अधिकारियों को हीरे जैसी एक पत्थर मिला है जिसे जांच के लिये भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार मेजा थाना क्षेत्र के योगेश मौर्य के भटौती स्थित क्रशर प्लांट में दो दिन पूर्व पत्थर खुदाई के दौरान भारी मात्रा में हीरा मिलने की सूचना

सैम्पल को जांच के लिए भेजा गया

मिली। जिसपर सीओ करछना राजेश यादव, थाना प्रभारी मेजा धीरेन्द्र सिंह, पुलिस टीम के साथ पंहुच गए। जहाँ पत्थर के एक छोटे से टुकड़े में हीरा जैसा पत्थर मिला है। सीओ करछना राजेश यादव ने बताया कि इसे जांच के लिए भेजा जाएगा। वहीं सूत्रों की मानें तो मेजा के सुकाठ गांव निवासी अजय कुशवाहा, खनन कर रहे जेसीबी आपरेटर व उनके तीन चार सहयोगियों ने भारी मात्रा में खनन के दौरान मिले हीरे जैसे पत्थर को गायब कर दिया है।फिलहाल पुलिस जांच में जुट गई है। क्रशर प्लांट से जुड़े लोगों की माने तो जिस क्रशर प्लांट मे हीरा मिला है उस लोगों द्वारा तीन दिन पूर्व मिले हीरे को स्थानीय स्वर्णकार से जांच कराया गया जिसके कारण धीरे धीरे यह बात आग की तरह फैल गई बुधवार को पुलिस प्रशासन पंहुचा तो एक टूकड़ा हाथ लगा जिससे जांच के लिए भेजा गया है फिलहाल करोड़ों रुपये का बेस कीमती हीरा कहाँ है यह जांच का विषय है।

आसमान से बरसने लगी आग लोग बेहाल

कौंधियारा। क्षेत्र में अब आसमान से आग बरसने लगी है अधिकतम तापमान बढ़ने से लोग परेशान हैं। गर्मी से परेशान लोग दिन में गन्ने के शरबत के साथ ही ठंडे पेय जल पदार्थों का सेवन कर रहे हैं पिछले 1 सप्ताह से पड़ रही गर्मी अब लोगों को परेशान करने लगी है सोमवार मंगलवार को सुबह से ही आसमान से आग बरसने लगी थी। दोपहर तक धूप और तेज हो गई जब की तपिश और भी बढ़ेगी। देखा जाए तो ऐसे में अभी गर्मी व धूप की तपिश का ग्राफ और तेज होगा।

सरोजनी नायडू के किरदार में दिखेंगी बीते जमाने की सुपरस्टार अभिनेत्री शांतिप्रिया

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। देशभक्ति व बॉयोपिक फिल्में बनाने के लिए इंडस्ट्री में मशहूर संगमनगरी प्रयागराज (प्रतापपुर) निवासी पटकथा लेखक व फिल्म निर्देशक धीरज मिश्रा जिनकी अभी हाल में ही दो फिल्में हीरो ऑफ नेशन चंद्र शेखर आजाद और आलिंगन एक साथ रिलीज हुई।जिसे दर्शकों ने खुब सराहा।एक बार फिर भारत की पहली महिला गवर्नर महान स्वतंत्रता सेनानी सरोजनी नायडू की बॉयोपिक बनाने जा रहे है।फिल्म में सरोजनी नायडू के लिए किरदार के लिए बीते दौर की सुपरस्टार रही अभिनेता अक्षय कुमार के साथ सौगंध फिल्म से बॉलीबुड में डेव्यू करने वाली अभिनेत्री शांतिप्रिया को कास्ट किया गया है।इस खबर को साझा करते हुए अभिनेत्री शांति प्रिया ने अपने सोशल अकॉउंड पर लिखा सच कहूं, तो मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकती मेरे पास शब्द नहीं हैं, लेकिन मुझे एक ऐसी मजबूत और महत्वाकांक्षी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला है, जिसने इस देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं हर संभव कोशिश करूंगी,भारतीय इतिहास में उस महिला की भूमिका के साथ न्याय करने में कोई कसर नहीं छोडूंगी जिसे दुनिया गर्व से बुलाती है 'द नाइटिंगेल ऑफ इंडिया'फिल्म में सरोजनी नायडू की माँ का किरदार मशहूर अभिनेत्री जरीना वहाब निभाएंगी।आपको बता दे इस फिल्म में सरोजनी नायडू के किरदार के लिए पहले दीपिका चिखिलिया को कास्ट किया गया था अपरिहार्य कारणों से वह फिल्म नही कर रही जिसके स्थान पर शांतिप्रिया को फाइनल कास्ट किया गया।फिल्म का निर्देशन विनय चन्द्रा कर रहे वही फिल्म की पटकथा धीरज मिश्रा और उनकी पत्नी यशोमति ने मिलकर पूरी की है।फिल्म का निर्माण विशिका फिल्म्स के बैनर तले हो रहा हैं।फिल्म की शूटिंग मई में शुरू होगी।

जसरा में भाजपाइयों ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

अखंड भारत संदेश

जसरा। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी के कार्यकताओं ने यमुनापार के जसरा मंडल में 51 ब्राह्मणों के द्वारा ॐ नमः शिवाय का जाप कराकर पार्टी के और मजबूती के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जिससे पार्टी दिन प्रतिदिन इसी तरह आगे बढ़ती रहे और देश को विश्व गुरु बनाने में मदद मिल सके। बता दें कि यमुनापार प्रयागराज के जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती के निदेर्शानुसार जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी व जसरा मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने मंडल महामंत्री भूपेंद्र पाठक और नीरज केसरवानी के सहयोग से साफ सफाई कराते हुए कैलाशधाम मंदिर दौना में रुद्राभिषेक करवाया। आचार्य अभिषेक शुक्ल ने पार्टी को निर्विघ्न रूप से देश में कार्यरत रहने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान जसरा आशीष सोनकर, युवा मोर्चा के राम केसरवानी,दीपचंद मोदनवाल,अशोक तिवारी, आकाश केसरवानी,हजारी लाल पटेल,आलोक द्विवेदी,अश्वनी

प्रभात फेरी के साथ भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस

सहसों। भारतीय जनता पार्टी गंगापार के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को मंडल सहसों के सुखदेव सिंह महाविद्यालय हसनपुर कसेरूआ कला में स्थापना दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभात फेरी एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर वंदे मातरम गीत गाया गया। तत्पश्चात बतौर मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा गंगापार अमरनाथ तिवारी ने पार्टी के उपलब्धियों के बारे में बताते हुए जनसंघ से लेकर 6 अप्रैल 1980 तक के कालखंड के इतिहास के बारे में मौजूद कार्यकताओं को बताया। मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि आज देश में भाजपा की लोकतांत्रिक नीतियों, जनता जनार्दन में समर्पित भावना एवं राष्ट्रप्रेम के नाते ही अधिकांशतः प्रदेशों में भाजपा की सुशासन सरकार चल रही है। उपस्थित भूमि विकास बैंक फूलपुर के अध्यक्ष व पूर्व जिला उपाध्यक्ष गंगापार वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा आज के दिन देश में भाजपा के स्थापना दिवस पूरे देश में एक साथ मनाया जा रहा है तथा भाजपा के कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए, किसानों के लिए, मजदूरों के लिए, यहां तक कि हर वर्ग के लिए यह सरकार उच्च स्तरीय कार्य कर रही है। देश का विकास भाजपा सरकार में हुआ है इससे पहले अभी तक अन्य सरकारों द्वारा केवल देश को खोखला ही किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज एवं संचालन महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से महामंत्री संजय सिंह, राजेंद्र कुमार वर्मा, सुभाष शुक्ला, नरेन्द्र कुशवाहा, संतोष सिंह, राजधर द्विवेदी, जय प्रकाश द्विवेदी, विमल मिश्रा, दया सिंह, महेश सिंह, राम सुधार, राम शुक्ला, अंकित सरोज, लवकुश बिंद, सत्यम त्रिपाठी, प्रहलाद गुप्ता, मनोज तिवारी, शिव बाबू मास्टर, मन्टू सिंह, जितेन्द्र सिंह पटेल, अनिल कुमार पटेल, रामसूरत यादव, नागेन्द्र शर्मा, राकेश विश्वकर्मा, बजरंग बहादुर सिंह सहित आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सहसों में बीजेपी कार्यकत्ता एवं पदाधिकारी स्थापना दिवस मनाते

द्विवेदी,उदित मिश्रा,गोपाल केसरवानी,सुधांशु मिश्रा,पीयूष तिवारी,वीरेंद्र पाठक,अरविंद मिश्रा,चंद्रभान,रामसागर दुबे सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जय श्रीराम, मोदी योगी जिंदाबाद के नारे से गुंजायमान हुई जंघई बाजार

जंघई। भारतीय जनता पार्टी के 42 वें स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा जंघई मंडल कार्यालय पर मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता तोगड़िया की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा का झंडा फहराया गया एवं संस्थापकों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया गया।इस अवसर पर अटल पैदल शोभायात्रा भी पूरी जंघई बाजार में निकली जिसमें जय श्री राम मोदी योगी जिंदाबाद के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिसमें जंघई मंडल प्रभारी मनोज सिंह आचार्य, व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक रमेश केसरवानी, जिला कार्यसमिति सदस्य राजकुमार मौर्या, मंडल मंत्री मनोज दुबे, बाबा शर्मा मंडल महामंत्री, शुभम शुक्ला मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा जंघई, कुशलेश दुबे उपाध्यक्ष युवा मोर्चा, मनीष जायसवाल, किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष जंघई प्रमोद मिश्रा, कुलदीप जायसवाल, राजबली गौतम, अरुण दुबे, मनोज मौर्या, मेहीलाल बिंद, राकेश चौहान, नीरज सिंह, गणेश उमर वैश्य सहित समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीए ही हैं जो रात में जलते हैं, नहीं तो जलने वाले तो दिन-रात जलते हैं

इफको के राष्ट्रीय कवि संगम में आए कवियों ने अपनी रचनाओं से सबको गुदगुदाया

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। इफको फूलपुर के मुक्तांगन में मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय कवि संगम कार्यक्रम में कवियों ने अपना खूब जलवा बिखेरा। कवि संगम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए महाभारत धारावाहिक के युधिष्ठिर व पंडित लख्मीचंद विश्वविद्यालय हरियाणा के कुलपति गजेंद्र चौहान ने कहा की रामायण हमें सिखाता है कि हमें क्या करना चाहिए,वही महाभारत यह सीख देता है कि हमें क्या नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम की शुरूआत केंद्रीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा मां सरस्वती की वंदना 'वीणा वादिनी वर दे' व छत्तीसगढ़ से पधारे युवा कवि साखी गोपाल पंडा ने अपने स्तुति में श्वेत वस्त्र मां सरस्वती को नमन करते हुए किया। विराट कवि सम्मेलन में देश के शीर्ष कवि डॉ हरिओम पवार ने अपने ओजपूर्ण रचना से जहां वर्तमान तालीबान सरकार पर प्रहार किया और कहा कि धरती के आतंकवाद से निपटारा गाता हूं, लेकिन दिल में आग भरी है दुनिया के बदहाली की । हास्य के महारथी दिल्ली के राष्ट्रीय कवि राजेश चेतन ने कहा कि 'ये दीए हैं जो रात में जलते हैं, नहीं तो जलने वाले दिन-रात जलते हैं। राम के वन गमन की मार्मिक यात्रा का अपनी कविता के माध्यम से लोगों लोगों को सोचने पर मजबूर करते हुए उन्होंने कहा कि माता पिता की आज्ञा का तो केवल एक बहाना था। आखिर राम को बन में जाकर रावण का अहंकार मिटाना ही था। वीर रस के कवि अर्जुन सिसोदिया ने योगी सरकार की एंटी रोमियो की व्यवस्था पर कहा कि 'योगी की खुली घोषणा है, एक तरफा प्यार नहीं होगा' पर खूब ठहाके लगे। जबलपुर मध्य प्रदेश के हास्य कवि सुदीप भोला ने अपने राजनीतिक व्यंग बाण से जहां लोगों को खूब हंसाया । वही राष्ट्रीय कवि शंभू मनहर

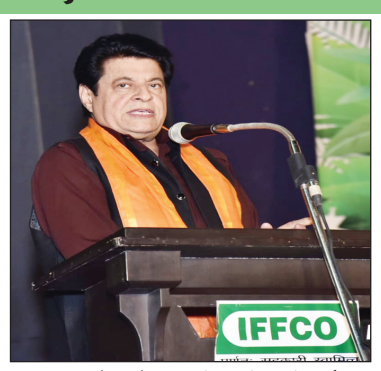

कवि संगम को सम्बोधित करते अभिनेता गजेन्द्र चौहान

इफको के राष्ट्रीय कवि संगम कार्यक्रम में उपस्थित कवि

ने अपनी ओजपूर्ण रचनाओं से लोगों से खूब तालियां बटोरी। लंका की अशोक वाटिका में माता सीता की व्यथा को अ !पनी कविता के माध्यम से सुनाते हुए महेश शर्मा ने यात्रा के वृतांत को विस्तार से समझाया। कश्मीर के धारा 370 पर अपनी रचना पढ़कर योगेंद्र शर्मा ने कहा कि दफा 370 वाला पन्ना फाड़ दिया हमने, अरे राम के भक्तो तुम्हें भी राम बनना है।काव्य पाठ को कवि अनूप द्विवेदी, प्रतिमा मिश्रा, अनिरुद्ध मिश्र, वंदना शुक्ला,अभिजीत त्रिपाठी, महेश शर्मा आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। कवि सम्मेलन का सफल संचालन राष्ट्रीय कवि अशोक बत्रा व अध्यक्षता जगदीश मित्तल ने किया। इस मौके पर इफको के कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया, महाप्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन दानवीर सिंह, संयुक्त महाप्रबंधक वित्त एवं लेखा संतोष कुमार सिंह, इफको के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार मिश्रा,सौरभ सिंह सहित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव मे अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए होगा घमासान

नामांकन के अंतिम दिन प्रत्याशियों ने परिसर मे की जोर आजमाईश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। बुधवार को संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव मे नामांकन के अंतिम दिन गहमागहमी के साथ सभी प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। स्थानीय तहसील में अध्यक्ष पद के पूर्व महामंत्री संदीप सिंह व प्रवीण यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं उपाध्यक्ष पद पर विनय कुमार जायसवाल, आशीष तिवारी व मस्तराम पाल ने नामांकन किया।

उपाध्यक्ष सिविल पद पर नामांकन करते वीरेंद्र सिंह।

उपाध्यक्ष सिविल पद पर वीरेन्द्र सिंह व उमाशंकर मिश्र व शहजाद अंसारी तथा महामंत्री पद पर शेषनाथ तिवारी व धीरेन्द्र कुमार शुक्ल एवं सहमंत्री पद पर कमलेश दुबे, कोषाध्यक्ष पद पर पंकज कुमार तिवारी, प्रचार मंत्री पद पर सुरेंद्र कुमार ने नामांकन किया। सदस्य कार्यकारिणी के पद पर पुनीत कुमार मिश्र व अवनीश गौतम ने नामांकन किया। वही अध्यक्ष पद पर इस बार अनिल तिवारी महेश, केपी पाण्डेय, संदीप सिंह व प्रवीण यादव के बीच कड़े मुकाबले की संभावना है।

उपाध्यक्ष पद पर पांच उम्मीदवार बने है। इस पद पर आशीष कुमार तिवारी, विनय जायसवाल, अखिलेश श्रीवास्तव, विजय कुमार तिवारी व मस्तराम पाल मैदान में है। सिविल उपाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय लडाई सामने होने की संभावना है। इस पद पर शहजाद अंसारी, वीरेन्द्र सिंह व उमाशंकर मिश्र के बीच मुकाबला होगा। महामंत्री पद पर भी हरिश्चंद्र पाण्डेय व शेषनाथ तिवारी के साथ धीरेन्द्र कुमार शुक्ल के बीच मुकाबला बना हुआ है। हालांकि आय-व्यय निरीक्षक पद पर नामांकन को लेकर समय सीमा का विवाद भी उत्पन्न हुआ। चुनाव समिति ने इस पद के उम्मीदवारों की सुनवाई गुरूवार को आपत्ति के समय किये जाने का निर्णय लिया गया है। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि सह मंत्री, कोषाध्यक्ष व प्रचार मंत्री एवं सदस्य कार्यकारिणी पदों पर एकल नामांकन की वजह से उम्मीदवारो के निर्विरोध निर्वाचन का मार्ग प्रशस्त हो गया।

परीक्षा देकर घर लौट रहे तीन परीक्षार्थियों पर चाकू से हमला

लोगों की सहायता से तीनों को अस्पताल में किया भर्ती

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। परीक्षा केंद्र से घर लौट रहे तीन साथियों पर तीन साथियों पर हमलावरों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे तीनों बुरी तरह जख्मी हो गए। मौजूद लोगों ने तीनों को एंबुलेंस की सहायता से पट्टी नगर स्थित सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया।

पट्टी तहसील के कंधई थानाअंतर्गत छीटपुर गांव के रहने वाले सुशांत सिंह पुत्र राजेश कुमार, शोभित सिंह पुत्र राजेश सिंह तथा विकास पांडे पुत्र बृजेश कुमार निवासी कोठियाही तीनों मित्र हैं। पट्टी नगर के समीप कमल पार्वती बहादुर इंटर कॉलेज में तीनों बुधवार की दोपहर लगभग 12 बजे हाईस्कूल परीक्षा देकर घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में घात लगा कर बैठे हमलावरों ने तीनों पर जानलेवा हमला कर दिया। चाकू लगने से तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए शोर-शराबा करने पर मौजूद लोग दौड़े तो हमलावर वहां से भाग निकले। उधर सूत्रों की मानें तो तीनों परीक्षार्थियों पर हमला करने की वजह पुरानी रंजिश है जिसको लेकर पहले से कुछ विद्यार्थी ताक में थे। बुधवार को परीक्षा केंद्र से लौटते समय मौका पाकर तीनों ने ऊपर हमला कर दिया। मौजूद लोगों ने तीनों को एंबुलेंस की सहायता से पट्टी नगर स्थित सेठ पन्नालाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर डॉक्टरों ने तीनों का इलाज शुरू किया।

आगजनी से पीड़ित किसानों को जारी है मदद का अभियान

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना द्वारा आकस्मिक आगजनी से पीडित किसानों की मदद के लिए बुधवार को भी मदद का अभियान जारी दिखा। सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी के निर्देश पर विधायक प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी कार्यकताओं के साथ क्षेत्र के मोठिन तथा प्रतापरूद्रपुर गांव पहुंचे। यहां दोनों गांवो के साठ प्रभावित किसानों को विधायक मोना की ओर से उन्होंने दो-दो हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की।

बोर्ड परीक्षा में दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहा मुन्ना भाई धराया

अखंड भारत संदेश

बाघराय/परियावां, प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के स्वर्गीय राम प्रकाश द्विवेदी शिवजी पब्लिक इंटरमीडिएट कॉलेज आजाद नगर मुगलपुर बिहार में मुन्ना भाई पकड़ा गया। बुधवार को हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी का पेपर था। दूसरे की जगह पर परीक्षा देने आया था। विद्यालय के केन्द्र व्यवस्थापक की तहरीर पर बाघराय पुलिस कार्यवाही कर रही है। सूत्रों की मानें तो पुलिस पकड़े गए मुन्ना भाई के ऊपर परीक्षा अधिनियम व फ्रॉडगीरी का मुकदमा दर्ज कर रही है।

परियावां प्रतिनिधि के अनुसार यू पी हाई स्कूल इंटर बोर्ड की परीक्षा का बुधवार की प्रथम पाली में परीक्षा केंद्र जनता इंटर कालेज आलापुर का औचक निरीक्षण करने पहुंची। औचक निरीक्षण के दौरान अंजना गोयल ने हाई स्कूल की अंग्रेजी प्रश्नपत्र की परीक्षा दे रहे छात्रों के कमरे का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र में अफरा तफरी मची रही। नकल विहीन परीक्षा की व्यवस्था देख अपर शिक्षा निदेशक ने केंद्र व्यवस्थापक अरुण कुमार सिंह व सहायक केंद्र ब्यवस्थापक योगेश कुमार सिंह सहित सभी स्टाफ की सराहना किया और कहा कि इसी तरह सभी विद्यालयों में ब्यवस्था होनी चाहिए।

हाईस्कूल अंग्रेजी में 6192 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 की चल रही परीक्षा में आज प्रथम पाली में हाईस्कूल में कुल नामांकित परीक्षार्थी 51842 में 6192 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। उपस्थित परीक्षार्थियों में 25526 छात्र और 20124 छात्राएं थी। इसी प्रकार इंटर की व्यवसायिक परीक्षा में नामांकित 632 परीक्षार्थियों में 48 अनुपस्थित रहे। 584 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी जिसमें 360 छात्र व 224 छात्राएं शामिल रहीं।

प्रेमी की पिटाई पर प्रेमिका ने खाया जहर

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रेमिका से मिलने आए प्रेमी की परिजनों ने पिटाई कर दी, जिससे क्षुब्ध प्रेमिका ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होते ही परिजन अस्पताल ले गए जहां हालत नाजुक बनी हुई है। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के अगई गाँव की एक लड़की से प्रेम प्रसंग के चलते मंगलवार की शाम देल्हुपुर का एक युवक उसके घर के नजदीक आकर मुलाकात कर रहा था। इसकी भनक जब परिजनों को हुई तो परिजन वहां पहुँच कर युवक की पिटाई कर दी। लड़की को घर लेकर चले आए। प्रेमी की पिटाई से क्षुब्ध प्रेमिका ने रात में ही जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगडने लगी। परिजन आनन-फानन मे उसे रायबरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

जयंती पर याद किये गये स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रदत्त

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्र दत्त सेनानी के जन्म दिवस के अवसर पर आज सर्वप्रथम सुबह साढे.नौ बजे पलटन बाजार स्थित ट्रस्ट कार्यालय पर स्वर्गीय चंद्र दत्त सेनानी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद जिला महिला अस्पताल एवं जिला पुरुष अस्पताल में मरीजों के बीच में फल वितरण का कार्यक्रम 10 बजे दिन से 12 बजे तक हुआ।

पलटन बाजार स्थित कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि चंद्र दत्त सेनानी एक अत्यंत ईमानदार स्वाभिमानी किस्म के व्यक्ति थे। उन्होंने विश्व पार्लियामेंट का सपना देखा था और एक ऐसे विश्व का सपना देखा था जिसमे पूरी दुनिया एक हो, उन्होंने विश्व पार्लियामेंट की परिकल्पना की थी। आचरण से बोलो जुबान से कम, आदि अनेक पुस्तकें भी लिखी थी। उल्लेखनीय है कि इनकी पुत्रबधू जिला सहकारी बैंक की अध्यक्ष रह चुकी है ० अनेक शैक्षिक संस्थाए चला रही हैं व पुत्र शिव प्रकाश मिश्र ख्यातिलब्ध समाजसेवी ० राजनैतिक शख्सियत हैं। कार्यक्रम में सम्मिलित रहने वालों में प्रमुख रूप से सदर विधायक राजेंद्र प्रसाद मौर्य, सिंधुजा सेनानी, शिव प्रकाश मिस्र सेनानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद श्रीवास्तव, मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ के प्राचार्य आर्य देश दीपक, जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का डॉ रीना प्रसाद पुरुष चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुरेश सिंह, डॉ मनोज खत्री, सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत नंदन ओझा, जिला पंचायत सदस्य डॉक्टर पूनम इंसान डीपी इंसान एडवोकेट अबरार अहमद सामाजिक कार्यकर्ता राज मणि त्रिपाठी, लायंस क्लब के डॉक्टर क्षितिज श्रीवास्तव सामाजिक कार्यकर्ता अजय क्रांतिकारी अवधेश तिवारी संजय शुक्ला आदि अन्य दर्जनों प्रमुख थे।

जिला पुरुष अस्पताल में मरीजों को बांटे गये फल

जिला अस्पताल में मरीजों को फल बांटते सदर विधायक व सिंधुजा मिश्रा।

शमशानी देवी का नवरात्रि हवन व कन्या पूजन संपन्न

अखंड भारत संदेश

कानपुर। नवरात्र के पावन अवसर पर शहर के प्रसिद्ध शमशानी देवी मंदिर मे 13 वर्षो से निरंतर प्रत्येक नवरात्र की बुद्धवार को शमशानी देवी माता का श्रंगार एवं कन्या पूजन व भंडारे का आयोजन लगातार होता आया है इसी क्रम मे 6 अप्रैल बुद्धवार को हटिया स्थित बुद्धा देवी शमशानी देवी मंदिर मे भव्य श्रंगार व हवन और कन्या पूजन तथा भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि सुरेश अवस्थी (पूर्व विधायक प्रत्याशी आर्य नगर विधानसभा) व उनकी पत्नी पूनम अवस्थी ने सम्मलित होकर माता का

नवरात्रि पर शमशानी देवी में पूजा अर्चना करते सुरेश अवस्थी (पूर्व विधायक)।

पूजन व हवन किया ततपश्चात 31 कन्याओ का पूजन करके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया । सुरेश अवस्थी ने नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज मे सभी को बहन बेटियों को सम्मान देना चाहिए व सामाजिक कार्यो मे रूचि रखनी चाहिए इसके साथ ही सभी को धार्मिक कार्य कराते रहना चाहिए।माता का पूजन आचार्य शुभम पंडित द्वारा कराया।कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रीष्म अवस्थी ने की, कार्यक्रम का आयोजन कृष्ण कुमार वर्मा(बउआ),हरिद्वारी द्वारा किया गया।इस अवसर पर सुरेश अवस्थी,पूनम अवस्थी,ग्रीष्म अवस्थी,नीना अवस्थी, डब्बू,धर्मेन्द्र गुप्ता ,सुमित बाजपेयी, अंशिका,सध्या द्विवेदी, पूनम राठौर ,आकाश जायसवाल,विपिन सोनकर,आलोक आदि भाजपा कार्यकर्ता व सैकडो.भक्त मौजूद रहे।

फसल काट कर ले जा रहे आरोपियों को रोकने पर महिला को पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। सरसों की फसल को दबंगों द्वारा काटने और महिला के मना करने पर दबंग महिला के ऊपर हमलावर हो गए। उसे दौड़ाकर मारा-पीटा और गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। परेशान होकर पीड़ित महिला पट्टी कोतवाली पहुंची और शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के कंसापट्टी गांव की रहने वाली गीता देवी पत्नी हरकेश कुमार बहुत गरीब है। उसने गांव में ही अपने खेत में सरसों की फसल बो रखी है। फसल तैयार हो गई थी।

केन्द्रीय सुरक्षा बलों की निगरानी में कराया जायेगा मतदानः जिलाधिकारी

एमएलसी सदस्य पद के मतदान को सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र प्रतापगढ़ में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य पद के मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण और निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराये जाने हेतु जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कल सायंकाल कैम्प कार्यालय के सभागार में बैठक की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/सहायक निर्वाचन अधिकारी मुकेश चन्द्र द्वारा अवगत कराया है कि 08 अप्रैल को अफीम कोठी से मतदान पार्टी मतदान केन्द्रों के रवाना की जावेंगी। सभी पार्टियों द्वारा मतदान के पश्चात अफीम कोठी में ही बैलेट बॉक्स जमा कराया जायेगा। दिनांक 09 अप्रैल को जनपद के 18 मतदान केन्द्रों पर प्रातः 8 बजे से सायंकाल 4 बजे तक मतदान सम्पन्न कराया जायेगा। उन्होने अवगत कराया है कि सभी पीठासीन अधिकारियों को मतदान केन्द्र पर जाने के लिये रूटमैप उपलब्ध कराया जायेगा, मतदान पार्टी सुरक्षा बलों के साथ उसी रूट से रवाना होंगी तथा मतदान के पश्चात उसी रूट से मतदान सामग्री एवं सुरक्षा बलों के साथ क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी में मतदान सामग्री एवं बैलेट बॉक्स जमा कराया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि मतदान केन्द्र की व्यवस्था समय से सुनिश्चित कर ली जाये, सभी मतदान केन्द्रों पर सीसीटीवी लगाया जायेगा, सीसीटीवी का व्यवस्थापन इस तरह कराया जाये कि उससे पूरी मतदान प्रक्रिया आच्छादित हो जाये किन्तु किसी तरह की गोपनीयता भंग न हो। उन्होने अधिकारियों को सचेत किया कि मा0 भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों का शत प्रतिशत अनुपालन करते हुये निष्पक्ष, पारदर्शी एवं स्वतंत्र मतदान सम्पन्न कराया जाये, इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या शिथिलता बरतने पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, ए0एम0ए0 जिला पंचायत, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत उपस्थित रहे।

बैठक में बोलते जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल।

पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने खाया जहर, मौत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मंगलवार की शाम पारिवारिक कलह के चलते विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होते ही परिजन लालगंज ले गए जहां हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सको ने प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया।जहां इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। स्थानीय कोतवाली के अगई ग्राम सभा के पूरे बोधी सिंह निवासी धीरेन्द्र सिंह की पत्नी संजू (40) ने मंगलवार की शाम घरेलू कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर परिजन लालगंज अस्पताल ले गए जहां हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका ने अपने सुसाइट नोट में दशकों से अलग जीवन जी रहे जेठ व देवर की वजह से आत्महत्या करने का आरोप लगाया है। वही पति व बच्चो को दोषमुक्त बताया है। घटना को लेकर मयके व बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। वहीं प्रयागराज में ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। इस संबध में पुलिस का कहना है कि इस तरह की घटना की अभी कोई जानकारी नही है।

विद्यार्थियों के हितों के लिए भारतीय विद्यार्थी संगठन ने सौंपा ज्ञापन

प्राचार्य ने मांगों को पूरी करने का दिया आश्वासन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विद्यार्थी हितों और उनके कल्याण तथा उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए काम कर रहे भारतीय युवा विद्यार्थी संगठन ने विद्यार्थियों के हितों तथा उनकी मांगों को पूरा करने के लिए एक ज्ञापन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य को सौंपा।

बुधवार को वह अपने पदाधिकारियों के साथ पट्टी नगर स्थित स्नातकोत्तर महाविद्यालय पहुंचे और प्राचार्य अखिलेश पांडे को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से हर वर्ष शुल्क में इजाफा न करने, प्रैक्टिकल के लिए तमाम संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने, नियमित रूप से कक्षाएं चलाने और सिलेबस पूरा कराए जाने की मांग सहित कई प्रकार की मांगों के संबंध में ज्ञापन दिया। इस

प्राचार्य अखिलेश पांडे को ज्ञापन देते संगठन के पदाधिकारी।

दौरान सक्षम योगी ने कहा कि विद्यार्थी समाज के सच्चे स्तम्भ है। उन्हीं से राष्ट्र और समाज की दिशा तय होती है, उनके हित के लिए काम किया जा रहा है। उसी के संबंध में स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य को विद्यार्थी हितों के लिए ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर अगर छात्र हितों को लेकर सरकार और विश्वविद्यालय गंभीर नहीं हुए तो छात्र आंदोलन करने को विवश होंगे। ज्ञापन देते समय जिला अध्यक्ष प्रतिरोध सिंह बंटी, आदित्य प्रताप, शिवम पटेल, चंदन शुक्ला, केतन सिंह, दीपक, हिमांशु मोर्य, आर्यन यादव सहित एक दर्जन युवा मौजूद रहे। ज्ञापन लेने के बाद प्राचार्य अखिलेश पांडे ने मांगो को आगे प्रेषित करने का आश्वासन दिया।

शिव विवाह प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

क्षेत्र के लखनसेनपुर में चल रही भागवत कथा में उमड़ी भीड़

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के लखनसेनपुर गॉव में चल रही सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमदभागवत कथा के तीसरे दिन मंगलवार को कथा वेद व्यास श्री भार्गव मुनीष महराज ने शिव विवाह का प्रसंग सुनाया। प्रसंग सुन कर सभी श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।इस दौरान शिव-पार्वती विवाह की झांकी भी निकाली गई।

कथा व्यास ने शिव विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि पर्वतराज हिमालय की घोर तपस्या से प्रशन्न हो कर माता जगदंबा प्रकट हुई। माता जगदंबा ने उनके घर में बेटी के रुप में अवतरित होने का वरदान दिया। माँ पार्वती हिमालय के घर पुत्री रुप में पैदा हुई। पुत्री के बड़ी होने पर पर्वतराज को विवाह की चिंता सताने लगी।माता बचपन से ही शिव की अनन्य भक्त थी। एक दिन पर्वतराज के घर महर्षि नारद जी पधारे। उन्होंने ही शिव व पार्वती विवाह का संयोग बताया। इसी लिए महर्षि नारद जी को शिव विवाह का अगुआ भी कहा जाता है। शिव जी नंदी पर सवार होकर भूत-प्रेत के साथ हिमालय के घर पहुँचे तो उन्हे देख कर सभी अचंभित रह गए।माता पार्वती ने प्रशन्नता पूर्वक

शिव विवाह प्रसंग का वर्णन करते भार्गव मुनीष महराज।

शिव जी के गले में वरमाला डाल कर खुशी से विवाह किया।शिव बरात के दौरान भक्तों ने पुष्प की वर्षा भी की। उसके बाद भजन-कीर्तन के साथ विवाह गीत पर लोग खुब जमकर नृत्य भी किया। इससे पूर्व आयोजक चन्द्र प्रताप सिहं व प्रेमा देवी ने बारात की अगुवानी के साथ पावपुजी भी की। इस दौरान लल्लू राम पाण्डेय, केशवदत्त पाण्डेय, शुभम पाण्डेय, विजय मिश्र बॉबी, सूर्य प्रताप सिंह, संजय सिंह, शिव प्रताप सिंह, प्रमोद सिंह समेत उपस्थित सैकड़ो श्रद्धालुओं ने शिव विवाह प्रसंग का रसपान किया।

चैत्र नवरात्रि में मंदिरों में गूंजा मां शेरावाली का जयकारा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। चैत्र नवरात्रि के पांचवे दिन स्कंदमाता के जयकारों से मंदिरों में शंख घण्टा घड़ियाल से श्रद्धालुओं ने माता रानी की पूजा अर्चना किया और परिवार के सुखमय जीवन की कामना मांगी। नवरात्रि के पर्व पर भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने कालाकांकर के पवित्र गंगाजल में स्नान करते हुए आस्था की डुबकी लगाई। मन्दिरो में सुबह से दोपहर तक दर्शनार्थियों के आने का सिलसिला जारी रहा। क्षेत्र के ज्वाला देबी मानिकपुर,माता मईया धाम परियावां,में भक्तों ने माता रानी की विधि विधान से पूजन अर्चन करते दिखाई दिए।

सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ ने घटना स्थल का दौरा किया

टीआरडी उपकेंद्र से चोरी हुई थी बैटरी, मातहतो को सुरक्षा के कड़े निर्देश दिए

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सहायक सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल ने बुधवार को घटना स्थल का दौरा कर हकीकत से रूबरू हुए। मातहतो को रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि संपत्ति में लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। बता दें कि कुछ दिनों पहले आरपीएफ क्राइम ब्रांच लखनऊ के इन्स्पेक्टर यशवंत सिंह और इंस्पेक्टर प्रतापगढ़ सीपी मिश्रा की अगुवाई वाली टीम ने टीआरएडी उपकेंद्र से 37 बैटरी और भारी मात्रा में लोहा चोरी करने वाले गैंग को गिरफ्तार किया था। उनके पास से चोरी की सम्पत्ति बरामद हुई थी । जिनकी कीमत करीब सवा लाख रुपए आंकी गई थी। गैंग के सात सदस्यों को जेल भेज दिया गया था। जबकि एक आरोपी फरार है। मामले की जांच चल रही है। बुधवार को घटना की हकीकत जानने के लिए सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ आए थे। उन्होने मामले से संबंधित अभिलेख की बारीकी से पड़ताल की। उसके बाद घटना स्थल पर गए। इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा और उनके स्टाफ को रेलवे संपत्ति की सुरक्षा में शिथिलता न बरतने को कहा। आयुक्त काफी समय तक थाने पर मौजूद रहे।

स्टेशन मास्टर की बहाली, तकिया में पोस्टिंग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। ड्यूटी को लेकर अधिकारियों के साथ विवाद करने के आरोप में नौकरी से बर्खास्त डिप्टी एसएस इबरार अहमद की बहाली हो गई है। उन्हें तकिया स्टेशन पर एसएम की पोस्टिंग दी गई है। अगले पांच साल तक अधिकारी द्वारा इनके कार्यों की समीक्षा होगी। बुधवार को प्रतापगढ़ एसएस दफ्तर द्वारा एलसीपी से संबंधित महत्वपूर्ण कागज उन्हें सौंप दिया गया, जिसको लेकर चले गए।

खबर संक्षेप

देवी दर्शन करने आए बुजुर्ग की हृदयगति रुकने से मौत

कौशाम्बी। जिले के कड़ा धाम स्थित शीतला माता के शक्तिपीठ कड़ा धाम में नवरात्रि पंचमी के दिन दर्शन पूजन को आए एक अधेड़ की अचानक हृदय गति रुकने से मौत हो गई।घटना के बाद साथ में आए परिजनों में हड़कंप मच गई।मामले की जानकारी होने पर एसडीएम सिराथू व थानाध्यक्ष कड़ाधाम मौके पर पहुंचे और शव को पीएम के लिए भेजवाया। प्रयागराज जनपद के मांडा थाना क्षेत्र के कूदर गांव का मजरा नेवारी निवासी कमला प्रसाद पुत्र अभिनंदन बुधवार को अपने भतीजे व रिश्तेदारों के साथ शक्तिपीठ कड़ा धाम दर्शन पूजन के लिए आए थे कॉलेश्वर घाट पर गंगा स्नान के बाद वह गंगा तट के समीप स्थित मन्दिर में पूजा अर्चना करके जा रहे थे तभी अचानक उसके सीने में तेज दर्द हुआ और वह जमीन पर गिर गए साथ के लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक उसके प्राण निकल गए।घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।सूचना पर पहुंचे एसडीएम सीराथू विनय कुमार गुप्ता व थानाध्यक्ष कड़ा धाम चन्द्र भूषण मौर्या ने शव को पीएम के लिए भेजेवाया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाजपा का स्थापना दिवस कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

बैठक में 06 अप्रैल से 30 अप्रैल तक के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई

स्थापना दिवस में मौजूद नेता

कौशाम्बी। भारतीय जनता पार्टी ने 6 अप्रैल को अपना 42 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया स्थापना दिवस पार्टी के 1323 बूथों पर मनाया गया भाजपा जिला मुख्यालय कौशाम्बी में जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि राष्ट्रीय मंत्री विनोद सोनकर सांसद व विशिष्ठ अतिथी जिला प्रभारी अनिल सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुई जिला पदाधिकारियों की बैठक में 6 अप्रैल से 30 अप्रैल तक के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री विनोद सोनकर ने कहा कि 6 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रदेश संगठन की ओर से तय किए गए हैं।

जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने कहा कि 6 कार्यक्रमों में स्थापना दिवस पर बूथ मंडल और जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रमों में 6 अप्रैल को सुबह 9:00 बजे जिला, मण्डल केन्द्र और बूथ स्तर पर पार्टी का झंडारोहण करने के बाद महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रभात फेरी निकाली गई । जिला, मंडल व बूथ स्तर पर 10:00 बजे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन एलईडी, टेलीविजन व इंटरनेट के माध्यम से सुना गया।11 अप्रैल से 13 अप्रैल तक महापुरुषों की मूर्ति व सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई कर रक्तदान किया जाना है अस्पताल में फल वितरण का भी कार्यक्रम होगा।14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और संगोष्ठी आयोजित होगी। भाजपा की स्थापना दिवस 6 अप्रैल से भाजपा के कोष में माइक्रो डोनेशन कराया जाना है। भाजपा की स्थापना दिवस 6 अप्रैल को सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाएंगे।15 से 30 अप्रैल तक भाजपा कार्यकताओं का जिला केंद्र या अन्य किसी चयनित स्थान पर भाजपा के जिम्मेदार 200 कार्यकताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से चर्चा की और बुधवार को पार्टी के 42वा स्थापना दिवस मनाया पार्टी के जिला उपाध्यक्ष आशीष केसरवानी उर्फ बच्चा ने जानकारी दी कि पार्टी के माइक्रो डोनेशन कार्यक्रम के तहत 50,000 से अधिक कार्यकर्ता कम से कम 20 से लेकर 1000 रुपये तक पार्टी फंड में ऑनलाइन दान करेंगे। जो मंडल पार्टी फण्ड में सबसे अधिक कार्यकताओं द्वारा दान करायेंगा उस मण्डल को जिला मुख्यालय पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया जाएगा। स्थापना दिवस कार्यक्रम की जिम्मेदारी जिला महामंत्री संजय जयसवाल ,माइक्रो डोनेशन की जिम्मेदारी जिला उपाध्यक्ष आशीष केसरवानी तथा आगामी दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण की जिम्मदारी जिला मंत्री कमल सिंह को सौंपी गई है ।इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक शीतला पटेल पूर्व विधायक संजय गुप्ता जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा पुष्पराज सिंह पटेल जिला सोशल मीडिया संयोजक जितेन्द्र साहू आईटी विभाग संयोजक सत्यम केसरवानी जिला मीडिया प्रभारी गोलू सिंह पटेल ओम नारायण शुक्ला बच्चा लाल अजय पांडेय जिला पदाधिकारी पूर्व जिला पदाधिकारी पूर्व सभी मोर्चे के पदाधिकारी वर्तमान सभी मोर्चा के पदाधिकारी ब्लाक प्रमुख चेयरमैन काशी क्षेत्र से निवास कर रहे प्रवासी प्रबुद्ध जन एवं भारतीय जनता पार्टी में आस्था रखने वाले वरिष्ठ सम्मानित भाजपा कार्यकर्ता स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर जिला कार्यालय में मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

15 दिन पूर्व नदी किनारे मिले अज्ञात शव की हुई शिनाख्त

अवैध संबंध और ब्लैकमेलिंग के चलते हुई थी हत्या हत्यारोपी दंपत्ति गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले में सैनी कोतवाली क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास मिले अज्ञात शव की शिनाख्त पुलिस ने कर ली है,मृतक की शिनाख्त सराय अंकित थाना क्षेत्र के ककरहाई गांव के रामकिशन पांडेय के रूप में हुई।पुलिस की जांच पड़ताल में मृतक रामकिशन पांडेय की अवैध संबंधों के चलते हत्या की गई थी,हत्यारे पति पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है एवम उनके पास से पुलिस ने मृतक की बाइक और अवैध तमंचा, कारतूस भी बरामद किया है।एएसपी समर बहादुर सिंह ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक रामकिशन पांडेय का आरोपी प्रखर श्रीवास्तव की पत्नी के साथ अवैध संबंध था,और मृतक ने उसकी पत्नी के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए थे और ब्लैकमेल कर रहा था,जिससे आजिज आकर आरोपी प्रखर श्रीवास्तव और उसकी पत्नी सुष्मिता श्रीवास्तव ने रामकिशन पांडेय की हत्या कर शव को ससुर खदेरी नदी के पास फेक दिया था पुलिस ने आरोपी दंपत्ति को गिरफ्तार कर लिया है और लिखापढ़ी कर जेल भेज दिया।

मुख्यालय के चारों तरफ की सड़कों में भरा नाला का गंदा पानी

कौशांबी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के चलते नगर वासियों को नारकीय जिंदगी जीने को विवश होना पड़ रहा है मंझनपुर नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों के सड़कों और गलियों में नाला का गंदा पानी बीते कई महीनों से सड़कों गलियों पर बह रहा है नवरात्रि के पावन पर्व के चलते मंदिर जाने वाले भक्तों को भी नाला के गंदा पानी से होकर गुजरना पड़ता है नगरपालिका के लोगों ने कई बार अधिकारियों से सड़क पर बह रहे नाला के गंदा पानी को बंद कराए जाने की मांग की लेकिन अधिकारी की तानाशाही और नगर वासियों के विरोध के नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के कार्यों में परिवर्तन नहीं हो सका रमजान के महीने में रोजा भी शुरू हो चुका है और लोगों को नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जाना पड़ता है लेकिन सड़क पर नाला का गंदा पानी बहने से नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद जाने में लोगों को दिक्कतों से जूझना पड़ता है नगर पालिका मंझनपुर क्षेत्र के तहसील रोड मस्जिद के पास बड़ा शिवाला रोड वशिष्ट बालिका इंटर कॉलेज की सड़क सहित विभिन्न सड़कों पर कई महीने से नाले का गंदा पानी कीचड़ गंदगी बह रही है जबकि नगर के विकास के नाम पर करोड़ों की रकम नाला निर्माण के नाम पर नगर पालिका खर्च कर चुका है फिर भी नगरपालिका की दुर्दशा दूर नहीं हो सकी है नगर वासियों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नगर की सड़कों पर बह रही गंदगी को दूर करने और नाला निर्माण के नाम पर हुई धांधली की जांच कराकर दोषियों को दंडित किए जाने की मांग की है।

दर्जनों किसानों की 30 से 35 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक

सिराथू तहसील के बरीपुर गांव में बिधुत शार्ट सर्किट से लगी आग मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

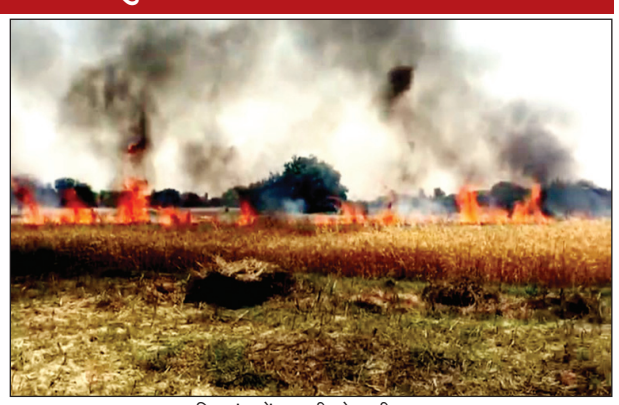

अग्निकांड में जलती खेत की फसल

अझुवा कौशाम्बी। सिराथू तहसील के ग्रामसभा बरीपुर में बुधवार को लगभग 12 बजे के बाद शॉर्ट सर्किट से गेहूं के खेतों में भयानक आग लग गयी जिससे दर्जनों किसानों की काटने लायक गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई आग लगने की सूचना से पूरे बरीपुर सहित उसके मजरा श्री का पूर्वा सहित आस-पास के गांव में हड़कंप मच गया लोग अपनी अपनी तरफ से आग बुझाने का प्रयत्न करने लगे लेकिन यह प्रयत्न नाकाफी साबित हुआ बहुत प्रयास के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया तब तक बरीपुर ग्राम सभा के मोहम्मद शब्बीर ज्ञान चंद तिवारी सागरमल तिवारी रामनरेश तिवारी बाबूलाल पांडेय रमेश पांडेय दुर्गा प्रसाद पांडेय कुसुम देवी पत्नी राम नरेश बाबू यादव छोटकू यादव सहित कई किसानों की गेहूं की पकी हुई 35 बीघा लगभग फसल जलकर खाक हो गयी लेकिन फायरब्रिगेड की गाड़ी समय से मौके पर नही पहुंची है हालांकि आग बुझने के बाद फायर ब्रिगेड गाड़ी राजस्व कर्मचारी मौके पर पहुंच गए इस हादसे में किसानों का लाखों रुपए का नुकसान बताया जा रहा है।

कौशांबी की सूखी नहरों में पानी आने से कई ब्लॉक हुए डार्क जोन मुक्त : अजय सोनी

अखंड भारत संदेश

डार्क जोन मुक्त होने पर क्षेत्रीय किसानों ने किया अजय सोनी का अभिनन्दन

कौशाम्बी। हाल ही में जनपद कौशांबी के कई विकासखंडों को शासन ने डार्क जोन मुक्त घोषित किया है। इसे लेकर जनपद के किसानों एवं तमाम सभ्रांत लोगों ने खुशी जाहिर की है और इसका श्रेय समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी को दिया है। डार्क जोन मुक्त होने पर बुधवार को उदहिन बुजुर्ग बाजार में तमाम क्षेत्रीय किसानों एवं सभ्रांत लोगों ने बैठक कर अजय सोनी को सम्मानित किया। इस अवसर पर मौजूद रहे लोगों ने अजय सोनी का माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया और उनके द्वारा कौशांबी की कई सूखी नहरों में पानी लाने एवं कौशांबी का जलस्तर बढ़ाने के उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर अजय सोनी ने कहा कि कौशांबी की कई सूखी नहरों में पानी आने से कौशांबी के कई विकासखंडों का जलस्तर बढ़ा है जिसके चलते शासन ने डार्क जोन मुक्त घोषित किया है।

गौरतलब है कि जनपद कौशांबी की कई सूखी नहरों में कई सालों से पानी नहीं आने से कई विकासखंडों में जलस्तर घट गया था और किसानों को सिंचाई के लिए पानी की किल्लत हो गई थी। साथ ही शासन स्तर पर कौशांबी के कई विकासखंडों को डार्क जोन घोषित कर दिया गया था। इसे लेकर आम लोगों खासकर किसानों में बड़ी दिक्कत पैदा हो गई थी। नहरें सूखी थीं और किसानों को सिंचाई के लिए नए नलकूप स्थापित करवाने की शासन स्तर पर रोक लग गई थी। सूखी नहरों में पानी आने के लिए अजय सोनी की अगुवाई में कई कई महीने जिला मुख्यालय मंझनपुर में किसानों ने धरना प्रदर्शन किया था। सूखी नहरों में पानी आने से कौशांबी जनपद के कई विकासखंडों में जलस्तर काफी बढ़ता गया जिसके चलते शासन ने हाल ही में जनपद कौशांबी के कई विकासखंडों को डार्क जोन मुक्त घोषित कर दिया है। इसे लेकर किसानों एवं तमाम लोगों ने खुशी जाहिर की है। बुधवार को उदहिन बुजुर्ग बाजार में किसान हितैषी समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी को तमाम क्षेत्रीय किसानों एवं सभ्रांत लोगों ने सम्मानित किया और जनपद कौशांबी के जमीनी विकास के लिए उनके संघर्ष की सराहना की। इस अवसर पर रामलीला कमेटी उदहिन बुजुर्ग के कोषाध्यक्ष जीतू केसरवानी, रामपाल गर्ग शिक्षा सदन के पूर्व प्रधानाचार्य आदित्य नारायण तिवारी, बनवारी लाल सरोज (पूर्व प्रधान), श्यामलाल सेन, सुरजीत वर्मा, सुशील कुमार पटेल, शिवम सोनी, नरेश यादव, वीरेंद्र गौतम, अशोक मौर्य, कल्लू गुप्ता, राजेश सरोज आदि मौजूद रहे।

नहर खुदाई और सफाई फिर साबित हुई छलावा

अखंड भारत संदेश

सफाई खुदाई के नाम पर करोड़ों का बजट डकारे जाने के मामले में कई बार किसानों ने आवाज बुलंद की लेकिन नहर खुदाई और सफाई के नाम पर फजीर्वाड़े के खेल पर रोक नहीं लगी है

नहर खुदाई का दृश्य

कौशांबी। नहरों में टेल तक पानी पहुंचे इसी मकसद से सरकार प्रत्येक वर्ष नहर की सफाई और खुदाई के नाम पर करोड़ों का बजट अवमुक्त करती है नहर विभाग के अधिकारी और ठेकेदारों की सांठगांठ से नहर की सफाई और खुदाई का खेल बीते दो दशक से फर्जी तरीके से बेखौफ चल रहा है विभागीय अधिकारी से लेकर आला अधिकारी भी मौन है नहर सफाई खुदाई के नाम पर करोड़ों का बजट डकारे जाने के मामले में कई बार किसानों ने आवाज बुलंद की लेकिन नहर खुदाई और सफाई के नाम पर फजीर्वाड़े के खेल पर रोक नहीं लगी है इस वर्ष भी नहर की खुदाई और सफाई के नाम पर फजीर्वाड़ा कर सरकार के खजाने से करोड़ों की रकम अधिकारियों ने ठेकेदारों को अवमुक्त कर दिया है लेकिन मौके पर नहर की खुदाई और सफाई नहीं हो सकी है किसानों ने बताया कि मुंगरी ताल से टिकरी पुलिस लाइन तक जाने वाली नहर की सफाई खुदाई के नाम पर इस वर्ष बड़े बजट निकाले गए हैं जबकि जहां जहां पुलिया है वहां पर केवल दिखावा के लिए नहर की सफाई कराई गई है किसानों ने बताया कि 30 किलोमीटर लंबी इस नहर में पुलिया को छोड़कर कही भी खुदाई और सफाई नहीं हो सकी है। नहर की खुदाई और सफाई ना होने से पानी छोड़ने के बाद नहर उफान मारती है जिससे टेल तक नहर का पानी नहीं पहुंच पाता है और तमाम किसानों के खेत सिंचाई के बिना सूख जाते हैं दूसरी तरफ नहरों की सफाई खुदाई न होने से नहर का पानी उफान मारता है और किसानों के खेत में पानी भर जाता है जिससे किसानों की फसलें जल में डूब जाती है जिसका खामियाजा किसानों को अपनी मेहनत की कमाई बर्बाद होते देख कर किसानों को चुकानी पड़ती है बीते दो दशक के नहर सफाई के नाम पर विभाग में चल रहे इस खेल पर सत्ता परिवर्तन के बाद भी रोक नहीं लग सकी है जिससे अधिकारियों की सत्ता में पकड़ का अंदाजा लगाया जा सकता है जिले के नेताओं ने योगी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नहर की खुदाई के नाम पर करोड़ों की रकम हड़प करने वाले अधिकारियों और ठेकेदारों के कारनामों पर जांच करा कर कार्यवाही की मांग की है।

पूर्व विधायक की मांग पर पूर्व परियोजनाओं की जांच शुरू

कौशाम्बी। निवर्तमान विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने जिलाधिकारी को एक पत्र देकर पूर्व की परियोजनाओं की जांच करने की मांग की है पूर्व विधायक के पत्र पर डीएम ने अपर जिला अधिकारी को जांच सौंप दी है। पूर्व विधायक ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए नगर पालिका परिषद भरवारी के अंतर्गत विभिन्न वार्ड रसूलपुर गिरसा बालक मऊ, मरूफपुर अमहा, सैता, धन्नी, असवा सहित कई स्थानों पर करोड़ों रुपए की लागत से मिनी ट्यूबवेल व पाइप लाइन स्थापित कराए गए थे जिसका लोकार्पण नवंबर व दिसंबर माह में मेरे द्वारा किया गया था परंतु लोकार्पण के लगभग 3 से 4 माह बीत जाने के बाद भी पेयजल की सप्लाई नहीं शुरू की गई जिससे स्थानीय जनमनस में बेहद आक्रोश है जिसपर पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने डीएम से जानकारी हेतु मांग किया कि लगभग 2 वर्ष पूर्व से शुरू की गई इस परियोजना का जिसका संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य पूर्ण दिखाते हुए भुगतान भी किया गया और मेरे द्वारा लोकार्पण भी कराया गया इसके बाद भी इसे क्यों नहीं चालू किया गया। पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता की शिकायत के पश्चात जिलाधिकारी ने एक टीम गठित कर एडीएम कौशाम्बी को जांच के निर्देश दिए है।

सदस्यों के फर्जी बैठक कर ग्राम पंचायत के खाते से निकाले गए लाखों की रकम

अखंड भारत संदेश

ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर में प्रधान बनने के बाद आज तक नहीं की गई सदस्यों की कोई बैठक, ग्राम पंचायत सदस्यों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त , विभागीय अधिकारियों ने भी साध रखी है चुप्पी

कौशाम्बी। विकास खण्ड मंझनपुर के ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर में नए प्रधान ने जब से शपथ ग्रहण किया है आज तक उसने अपने ग्राम पंचायत में सदस्यों की कोई बैठक नही बुलाई है। ग्राम पंचायत में सदस्यों की बैठक बुलाए बिना फर्जी तरीके से विकास कार्यों का प्रस्ताव कर सरकारी खजाने से धन निकाले जाने की परंपरा शुरू है इतना ही नहीं भूमि प्रबंधन समिति जल प्रबंधन समिति निर्माण प्रबंधन समिति की बैठक नहीं बुलाई गई है और बिना बैठक बुलाएं प्रबंध समितियों के सदस्य अध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर के सहारे विकास के नाम पर सरकारी खजाने से लाखों की रकम निकाली गई है जो बड़ी जांच का विषय है यदि जांच हुई तो ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान का जेल जाना था ग्राम पंचायत सदस्यों के निर्वाचित होने पर उनसे सिर्फ शपथ ग्रहण करवाने के बाद उन्हें दूध में पड़ी मक्खी की तरह बाहर कर दिया। सदस्यों का कहना है कि हम लोग कई बार बैठक के बारे में बातचीत करना चाहा लेकिन अपने तानाशाही रवैया के चलते प्रधान ने कई सदस्यों से अभद्रता करते हुए अपने दरवाजे से भगा दिया जिससे ग्राम पंचायत के नवनिर्वाचित सदस्यों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। ग्राम पंचायत सदस्यों की माने तो शपथ ग्रहण के समय ग्राम पंचायत में समिति का गठन किया था जिसमें आज तक एक भी सदस्य को यह नहीं पता कि उन्हें ग्राम पंचायत में क्या पद का दायित्व दिया गया है पद को छोड़ो आज तक ग्राम प्रधान ने किसी सदस्य की खबर तक नहीं ली। नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान ने लगभग 19 लाख का घोटाला किया है इस बारे में सदस्यों से बातचीत की गई तो वो लोग जबरदस्त आक्रोशित हो गए हैं और अधिकारियों से नव निर्वाचित ग्राम प्रधान की जांच कराकर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

शपथपत्र के साथ सदस्यों ने डीएम से किया शिकायत

कौशाम्बी। ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर के सभासदों ने जिलाधिकारी को शपथ पत्र के माध्यम से शिकायती पत्र देकर बताया है कि प्रधान ने फर्जी हस्ताक्षर फर्जी बैठक के सहारे लाखों की रकम खजाने से विकास के नाम पर निकाल लिया है सदस्यों ने बताया कि गांव में कार्य नहीं हो रहे हैं केवल ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव धांधली कर रहे हैं।

मौत की सड़क बनाने के लिए अधिकारियों ने खर्च कर दिया करोड़ों की रकम!

अखंड भारत संदेश

सड़क के बीच में गड्ढा

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के अषाढा से वैशा कांटी जाने वाली सड़क की मरम्मत के नाम पर मार्च महीने में विभागीय अधिकारियों ने करोड़ों रुपए की रकम खर्च कर दी है लेकिन इस सड़क की मरम्मत के बाद भी सड़क में जगह-जगह पर मौत के गड्ढे विराजमान है जिससे इस सड़क पर चलने वाले लोग आए दिन गड्ढों में गिरकर घायल हो रहे हैं अषाढा से कुछ आगे सड़क को नहर ने क्रास किया है नहर के पास सड़क मरम्मत के समय आधी सड़क गड्ढे में छोड़कर सड़क बना दी है जिससे नहर के अंदर आए दिन लोग गिर जाते हैं और इस सड़क पर वाहन चलाते समय वाहन चालकों को हमेशा यह अंदेशा बना रहता है कि वाहन चालकों की थोड़ी सी नजर चुकी तो वाहन समेत यात्री नहर में समा जाएंगे अषाढा चौराहे से आगे भी बीच सड़क पर कई गड्ढे बने हुए हैं फैजीपुर गांव के नलकूप टंकी के पास भी बीच सड़क पर कई गड्ढे हैं नलकूप ने सड़क पर पानी की टंकी बना दी है जो मौत की टंकी साबित हो रही है सड़क मरम्मत के नाम पर ठेकेदार को करोड़ों का भुगतान विभाग ने अवमुक्त कर दिया है लेकिन सड़क के गड्ढे नहीं बंद हो सके हैं आखिर गड्ढों को बिना बंद किए कैसे सड़क की मरम्मत पूर्ण हो गई है यह विभागीय व्यवस्था पर बड़ा सवाल है और सड़क निर्माण के नाम पर मौत के गड्ढे छोड़ने वाले ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों के कारनामों पर जांच हुई तो विभागीय अधिकारी और ठेकेदारों के चेहरे बेनकाब होंगे।

पंचायत से मुकरे दबंग जमीन पर कर रहे कब्जा

कौशाम्बी। सिराथू तहसील क्षेत्र के लच्छीपुर ग्राम पंचायत में जमीन के विवाद के बीच पंचायत में मामले का निस्तारण 30 वर्षों पूर्व हो चुका है जमीन के विवाद का निस्तारण करने के बाद दोनों पक्षों ने स्टांप पेपर में लिखा पढ़ी कर गांव के सभ्रांत लोगों के सामने हस्ताक्षर बनाए थे लेकिन बीते कुछ दिनों से दबंगों ने फिर जमीन पर विवाद उत्पन्न कर दिया है पंचायत में जिस जमीन को विरेंद्र कुमार के पक्ष में दी गई थी उस जमीन पर गांव के दबंगों ने कब्जा शुरू कर दिया है मामले की शिकायत मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के शमशाबाद पुलिस चौकी से वीरेंद्र कुमार और उनके परिजनों ने की है लेकिन अवैध कब्जा धारकों के हौसले पर रोक नहीं लग सका बताया जाता है कि जिस जमीन पर वीरेंद्र कुमार और उनके परिजन लंबे समय से पशु बाड़ा बनाए थे पशुओं का हौदा रखकर पशुओं को चारा देते थे जमीन पर पशु बांधे जाते थे पशुओं का हौदा फेंक दिया गया है। बीरेंद्र कुमार और उनके परिजनों के साथ अभद्रता भी हुई। पशुओं को खोल कर भगा दिया पशुओं के रहने की जमीन पर दबंगों ने चबूतरा बनाना शुरू कर दिया है। मामले की शिकायत चौकी पुलिस से की गयी लेकिन चौकी पुलिस की भूमिका सवालों के घेरे में है।

सरकारी भूमि पर बने दर्जनों भवन पर कब चलेगा योगी सरकार का बुलडोजर!

अखंड भारत संदेश

बीते 15 वर्षों से लुकाछिपी के खेल में राजस्व कर्मियों ने ऊनो ग्राम पंचायत के करोड़ों की भूमि पर कराया अवैध कब्जा

सरकारी जमीन पर बने मकान

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऊनो की सरकारी आराजी संख्या 993 994 995 996 चारागाह चकरोड की सरकारी जमीन पर तहसील के राजस्व निरीक्षकों की सांठगांठ से अवैध कब्जा हो गया है बताया जाता है कि राजस्व निरीक्षक के साठगांठ से दर्जनों अवैध मकान सरकारी भूमि पर बन गए हैं लगातार ग्रामीणों ने अधिकारियों को शिकायत कर सरकारी संपत्ति बचाए जाने का अनुरोध किया लेकिन लेखपाल लगातार लुकाछिपी का खेल खेलने के आड़ में जहां अवैध धनादोहन में जुटा रहा वही सरकारी संपत्तियों में कब्जे के मामले में अधिकारियों को बराबर लेखपाल गुमराह करता रहा जिसका नतीजा यह निकला कि अतिक्रमण हटाओ अभियान की बैठक के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय को भी अतिक्रमण मुक्त सरकारी जमीन की रिपोर्ट भेजकर सूबे के मुख्यमंत्री को गुमराह किया जाता रहा। पूरे प्रदेश में योगी सरकार अवैध कब्जों पर बुलडोजर चला रही है लेकिन कौशांबी जिले के अवैध संपत्तियों पर स्थानीय प्रशासन बुलडोजर नहीं चला पा रहा है आखिर सरकारी संपत्तियों पर हुए कब्जे के मामले में योगी सरकार और उनके अधिकारी सरकारी संपत्तियों पर बने मकान पर कब बुलडोजर चलाएंगे या फिर केवल राजनैतिक हवाला के तहत नेताओं की अवैध संपत्तिया ही धराशाई होंगी इलाके के लोगों ने ऊनो गांव में अवैध तरीके से सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने वालों के भवन पर बुलडोजर चलाए जाने की मांग सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की है। अवैध कब्जा की सरकारी भूमि पर निजी नलकूप की बोरिंग भी कब्जा धारकों ने शुरू करा दिया है जिसकी भी शिकायत ग्रामीणों ने तहसील में की है लेकिन सरकारी भूमि पर नलकूप की बोरिंग नहीं रुक सकी है ग्रामीणों ने अवैध तरीके से सरकारी भूमि पर हो रहे बोरिंग को रोकने की मांग की है ग्रामीणों ने राज्यपाल मुख्यमंत्री कमिश्नर डीएम को ट्वीट के माध्यम से जानकारी देते हुए ऊनो ग्राम पंचायत के सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाए जाने की मांग की है।

संपादकीय

चिकित्स क्षेत्र : महर्षि चरक के नाम की शपथ

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए 17 सौ साल पुरानी व्यवस्था को बदलने की अनुशंसा की है। देश में चिकित्सा विज्ञान अर्थात एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे छात्रों को अब हिप्पोक्रेटिक ओथ की बजाय महर्षि चरक की शपथ (ओथ) दिलाई जाएगी। इसकी शुरूआत नए पाठ्यक्रमों से होगी। दरअसल चिकित्सक बनने के लिए समाज एवं मानवता के प्रति निर्विकार निष्ठा और अपने ज्ञान को सत्यता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। दुनियाभर में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र एक शपथ लेते हैं, जिसे हिप्पोक्रेटिक ओथ कहा जाता है। यह शपथ ग्रीक चिकित्साविद् हिप्पोक्रेट्स को समर्पित है। इसमें अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदारी से कर्तव्य पालन एवं निष्ठा की शपथ दिलाई जाती है। भारत में चिकित्सा के जनक माने जाने वाले महर्षि चरक की संस्कृत पुस्तक चरक संहिता में भी चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए एक शपथ का उल्लेख है। संस्कृत में लिखी गई इस शपथ में गुरु अपने शिष्य को निर्लिप्त दायित्व पालन के निर्देश देते हैं। आयोग ने इसी शपथ की सिफारिश की है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने संसद में कहा है कि चरक-शपथ को अनिवार्य नहीं वैकल्पिक रखा जाएगा। संस्कृत ग्रंथों में उल्लेख है कि धरा पर प्राणियों की सृष्टि से पहले ही प्रकृति ने घटक-द्रव्य युक्त वनस्पति जगत की सृष्टि कर दी थी, ताकि रोगग्रस्त होने पर उपचार के लिए मनुष्य उनका प्रयोग कर सके। भारत के प्राचीन वैद्य धन्वन्तरि और उनकी पीढ़ियों ने ऐसी अनेक वनस्पतियों की खोज व उनका रोगी मनुष्य पर प्रयोग किए। इन प्रयोगों के निष्कर्ष श्लोकों में ढालने का उल्लेखनीय काम भी किया, जिससे इस खोजी विरासत का लोप न हो। इन्हीं श्लोकों का संग्रह आयुर्वेद है। एक लाख श्लोकों की इस संहिता को ब्रह्म-संहिता भी कहा जाता है। इन संहिताओं में सौ-सौ श्लोक वाले एक हजार अध्याय हैं। बाद में इनका वर्गीकरण भी किया गया। इसका आधार अल्प-आयु तथा अल्प-बुद्धि को बनाया गया। वनस्पतियों के इस कोष और उपचार विधियों का संकलन ह्यअथर्ववेदह्य है। अथर्ववेद के इसी सारभूत संपूर्ण आयुर्वेद का ज्ञान धन्वन्तरि ने पहले दक्ष प्रजापति को दिया और फिर अश्विनी कुमारों को पारगंत किया। अश्विनी कुमारों ने ही वैद्यों के ज्ञान-वृद्धि की दृष्टि से अश्विनी कुमार संहिता की रचना की। चरक ने ऋषि-मुनियों द्वारा रचित संहिताओं को परिमार्जित करके चरक-संहिता की रचना की। यह आयुर्वेद का प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है। इसी कालखंड में सद्वैद्य वाग्भट्ट ने धन्वन्तरि से ज्ञान प्राप्त किया और अष्टांग हृदय संहिता की रचना की। सुश्रुत संहिता तथा अष्टांग हृदय संहिता आयुर्वेद के प्रामाणिक ग्रंथों के रूप में आदि काल से आज तक हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। आयुर्वेद व अन्य उपचार संहिताओं में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक प्राणी का अस्तित्व पंच-तत्वों से निर्मित है और संपूर्ण प्राणी स्वेदज, जरायुज, अण्डज और उद्भिज रूपों में विभक्त हैं। इन शास्त्रों में केवल मनुष्य ही नहीं पशुओं, पक्षियों और वृक्षों के उपचार की विधियां भी उल्लेखित हैं। साफ है, भारत में चिकित्सा विज्ञान का इतिहास वैदिक काल में ही चरम पर पहुंच गया था। क्योंकि वनस्पतियों के औषधि रूप में उपयोग किए जाने का प्राचीनतम उल्लेख ऋग्वेद में उपलब्ध हैं। ऋग्वेद की रचना ईसा से लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व हुई मानी जाती है।

लोकलुभावन योजनाओं पर लगे रोक

डॉ. सुरभि सहाय

केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान किसानों की कर्ज माफी का नया प्रयोग किया गया और करीब 55,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए गए। कुछ कांग्रेसी नेता 70,000 करोड़ रुपए तक की कर्ज माफी का दावा करते रहे हैं। नतीजतन 2009 के लोकसभा चुनाव में यूपीए सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरा। उसकी सरकार भी बनी। उसके बाद विभिन्न राज्यों में चुनाव जीतने के लिए कर्ज माफी एक सशक्त हथियार बन गया। लगभग सभी राज्य सरकारों ने, कम या ज्यादा, किसानों के कर्ज माफ किए

पिछले दिनों वरिष्ठ नौकरशाहों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक मैराथन बैठक के दौरान कुछ अधिकारियों ने कई राज्यों की ओर से घोषित लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता व्यक्त की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक के दौरान अधिकारियों ने एक राज्य में हालिया विधानसभा चुनाव में घोषित की गई एक लोकलुभावन योजना का उल्लेख किया जो वित्तीय रूप से खराब स्थिति में है। इसके अलावा अन्य राज्यों में ऐसी ही अन्य योजनाओं का उल्लेख करते हुए सचिवों ने कहा कि ये आर्थिक रूप से सतत नहीं हैं और बहुत कमजोर हैं और ये राज्यों को उसी रास्ते की ओर ले जा सकती हैं जिस पर श्रीलंका चल रहा है। गौरतलब है कि श्रीलंका इस समय अपने इतिहास के सबसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। यहां महंगाई चरम पर है और दैनिक उपभोग की वस्तुएं खरीद पाना भी लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। भारत का संविधान लोक कल्याण की अवधारणा पर आधारित है। ऐसे में जीने के लिए जरूरतमंदों, गरीबों को रोटी, कपड़ा और आश्रय मुफ्त में देना कुछ हद तक समझ आता है परंतु उपभोग की वस्तुएं मुफ्त में बांटना अर्थव्यवस्था को दीमक की तरह चाट रहा है। दक्षिण के राज्यों में यह प्रवृत्ति सबसे पहले पनपी। साड़ी, प्रेशर कुकर से लेकर टीवी, वॉशिंग मशीन तक मुफ्त बांटी जाने लगी। परिणाम यह हुआ कि अर्थव्यवस्था रसातल में जाने लगी। कालांतर में वहां सरकारों ने इस पर आंशिक ही सही अंकुश लगाया लेकिन यह प्रवृत्ति उत्तर के राज्यों में आ गई। इस हम्माम में लगभग सभी प्रमुख राजनीतिक दल और नेता डूबे हैं। आपस में होड़ मची है। दलों और नेताओं का सीधा गणित है कि लालच में आकर आम मतदाता उनके पक्ष में वोट कर सकता है। यदि अर्थव्यवस्था का ह्यडिब्बा गोल होता है, तो दलों और नेताओं का कोई गंभीर सरोकार नहीं है। उनका निजी नुकसान थोड़े हो रहा है! लगभग प्रत्येक राज्य पर लाखों करोड़ रुपए के कर्ज का बोझ है। फिर भी बहुत कुछ निःशुल्क बांटने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। चुनावी घोषणाएं की जा रही हैं।

केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान किसानों की कर्ज माफी का नया प्रयोग किया गया और करीब 55,000 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किए गए। कुछ कांग्रेसी नेता 70,000 करोड़ रुपए तक की कर्ज माफी का दावा करते रहे हैं। नतीजतन 2009 के लोकसभा चुनाव में यूपीए सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरा। उसकी सरकार भी बनी। उसके बाद विभिन्न राज्यों में चुनाव जीतने के लिए कर्ज माफी एक सशक्त हथियार बन गया। लगभग सभी राज्य सरकारों ने, कम या ज्यादा, किसानों के कर्ज माफ किए। अब जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां भी कर्ज माफी एक बुलंद चुनावी मुद्दा है। सवाल है कि किसान का कर्ज एक बार में ही माफ क्यों नहीं किया जा सकता? क्या किसान लगातार कर्ज माफी के बावजूद कर्जदार बना रहेगा? यह निरंतर कर्ज किसका है- बैंकों का, गैर-बैंकिंग आर्थिक संस्थाओं का अथवा सूदखोर महाजन का?

बहरहाल किसान की कर्ज माफी के अलावा, निःशुल्क अनाज, फ्री बिजली-पानी, घरों में 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त, छात्राओं-युवाओं को लैपटॉप या टैबलेट, बेरोजगारी भत्ता, फ्री साइकिल, फ्री स्कूटी, पुरानी पेंशन योजना, फ्री 6000 रुपए सालाना प्रति किसान, फसल बीमा आदि के अलावा प्रधानमंत्री के स्तर पर आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्जवला, शौचालय, निरूशुल्क अनाज आदि की योजनाएं भी हैं। इनके अलावा, आरक्षण और विभिन्न मुआवजों की भी व्यवस्था है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लोकतंत्र में जन-कल्याणकारी योजनाएं अनिवार्य हैं। सरकारें गरीब तबके और जरूरतमंद आबादी के प्रति जवाबदेह होती हैं, लेकिन जिन राज्यों के चुनावों में मंगलसूत्र, चूडियां, साडियां, कलर टीवी, मिक्सी आदि के लालच फ्री में परोसे जाते हैं, उनमें कौन-सा जन-कल्याण निहित है? क्या ऐसी पेशकशों पर ही लोकतांत्रिक जनमत तय होने चाहिए? क्या गरीबी के प्रति यही सरकारी जवाबदेही है? दरअसल ऐसी खैरात बांट कर हमारे दल और नेता एक पूरी जमात को बेकार, निठल्ली बना रहे हैं। मुफ्तखोरी के बजाय सरकारें ऐसे गरीबतम तबके के पात्र लोगों को ईमानदारी से नौकरियां अथवा स्थायी रोजगार मुहैया कराएं, तो अर्थव्यवस्था में विस्तार और सुधार होगा और एक पूरी, निकम्मी पीढ़ी कमाकर खाना और जीवन-यापन करना सीखेगी। चुनाव जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियां सरकारी खजाने को दोनों हाथों से उड़ाती हैं। वे यह जानती हैं कि पैसा आने का स्रोत सीमित है लेकिन फिर भी सब्सिडी और मुफ्त बांटने की प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगती। यह हिसाब ही नहीं लगाया जाता है कि पैसा कहां से आएगा? इससे किसी राजनीतिक दल को शायद कोई मतलब भी नहीं क्योंकि मुफ्त बांटने की जो दौड़ मची हुई है वह अंतहीन और बेलगाम होती जा रही है। अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है, टैक्स देने वाला वर्ग करों के बोझ से दबा जा रहा है लेकिन वहीं मुफ्त से लाभ पाने वाली जनता का एक वर्ग खुश है। यह मुफ्त की राजनीति आर्थिक पतन की ओर ही ले जा रही है। हाल ही में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में पंजाब में आम आदमी पार्टी को ऐतिहासिक जीत हासिल हुई। आम आदमी पार्टी ने तमाम चुनावी घोषणाएं की थी। लेकिन जीत के बाद उने घोषणाओं को जमीन पर उतारने में पंजाब सरकार के पसीने निकल रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोकलुभावन घोषणाओं को पूरा करने के लिये केंद्र सरकार से मदद मांगी है। सवाल यह है कि ऐसी घोषणाएं किस काम की जिनको पूरा करने के लिये सहायता मांगनी पड़े। दरअसल, आम जनता यह भूल जाती है कि इससे तत्काल फायदा तो दिखता है लेकिन आखिर बोझ उन्हीं के कंधों पर पड़ने वाला है। पर मुंह मोड़ लेने से खतरा तो नहीं टल जाता। महान अर्थशास्त्री चाणक्य ने भी यही कहा था। इंसान उसी चीज को महत्व देता है जिसका उसे मूल्य चुकाना पड़ता है। बिना जरूरत की सब्सिडी लोगों को आलसी और कामचोर बनाती है। उनमें काम करने के प्रति लगन कम हो जाती है। भारत में भी जो राजनीति चल पड़ी है, यही आसार दिख रहे हैं कि हम आर्थिक पतन की ओर अग्रसर हैं। 2015 में दिल्ली में फ्री बिजली और पानी के नाम पर सरकार बनी, तब से इसमें प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। मुफ्त बस यात्रा योजना के बाद दिल्ली में डीटीसी को 1750 करोड़ का नुकसान हुआ। यही नहीं दिल्ली का राजकोषीय घाटा 2 साल में 55 गुना से ज्यादा बढ़ गया। राजनीतिक पार्टियों के इस तरह धन लुटाने से सरकारों का राजकोषीय घाटा बढ़ता जा रहा है। इसके चलते आम आदमी पर करों का बोझ बढ़ रहा है। सही मायनों में चुनाव में उन योजनाओं की घोषणाएं की जाएं, जो अर्थव्यवस्था को पोपला न बनाती हों। मतदाताओं को लुभाने की कोशिशें एक सीमा तक ही की जानी चाहिए। भारत की जनता को भी ये समझना होगा कि खुशहाली मुफ्तखोरी में नहीं आत्मनिर्भर बनने में है। हमारे देश में आए दिन कहीं ना कहीं चुनाव होते हैं। फ्री ऑफर का ये फंडा रेगुलर होने से पहले हमें इसके खिलाफ गंभीरता से सोचना होगा। घूम फिर कर सब कुछ जनता पर ही आने वाला है। घाटा होगा तो भी भरपाई आम नागरिक से ही होगी। प्रधानमंत्री को वरिष्ठ नौकरशाहों के विचारों पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए इस दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए। इसी में देश और देशवासियों की भलाई छिपी है।

बहिष्कारनगर में समिति की बैठक का बहिष्कार

सुनील महला

जय हो बहिष्कार देवता की। गजब का बहिष्कार है। बहिष्कार की एक न्यूज आ रही है। आप भी पढ़िए, लेकिन यह जरूर ध्यान रखिएगा कि कहीं न्यूज पढ़कर आप हमारा बहिष्कार न कर बैठें। तो पहले न्यूज पढ़िए-" बहिष्कारनगर में चकचक बकबक समिति की बैठक का स्थानीय पत्रकारों ने किया बहिष्कार।" अजी ! गजब का बहिष्कार है। पत्रकारों ने बैठक का बहिष्कार किया है लेकिन फिर भी बहिष्कार की खबरें बाहर आ रही है। हर न्यूज चैनल पर बहिष्कार ही बहिष्कार की खबरें हैं। है न कमाल का ढ़क्कन ? अजी ! मेरा मतलब है न कमाल का बहिष्कार ? भैय्या जी जब बहिष्कार सहिष्कार ही कर दिया, तो ये बहिष्कार, बहिष्कारनगर की चकचक बकबक समिति तक ही सीमित रहना चाहिए था, क्यों जी यह खबर तो बैठक स्थान से बाहर घूम रही है? आखिर यह बाहर कैसे आई ? जब कोई पत्रकार बैठक में शामिल ही नहीं हुआ तो खबर बाहर कैसे आई ? अत्यंत सोचनीय विषय है। यह खबर हर जुबान पर कैसे छाई ? हे ! भाई ठीक बक रहे हैं न हम ? खबर बाहर उछल कूद कर रही है। हम ऐसे न्यूज चैनलों और न्यूज पत्रकारों का बहिष्कार करते हैं। अब आप हमारे मुखारविन्द से ये गहरी बात सुनकर हमारा बहिष्कार मत कर देना जी, क्योंकि हम पत्रकार नहीं हैं। आप तो बस हमें सुनते रहना। वैसे हम भी न एक बहिष्कृत लेखक हैं। अजी संपादक वंपादक हमारे आर्टिकल अपने अखबार में नहीं छापते, हमारे आर्टिकल्स का बहिष्कार कर देते हैं। वो क्या है कि हम ठहरे स्वतंत्र लेखक, और अपनी मर्जी से कलम घिसाई करते हैं, और लगभग लगभग संपादक यह चाहते हैं कि,

अजी ! दूसरे शब्दों में कहूँ तो संपादकों की यह दिली तमन्ना है कि हम उनकी मर्जी से कलम घिसाई करें, यह बात हमें पचती नहीं है, अजी ! कुल मिलाकर उनकी बात हमें जंचती नहीं है और यही कारण है कि हम लगातार बहिष्कार की शील्ड जीत रहे हैं। बहिष्कारनगर में बहिष्कार की शील्ड जीतने वाले हम इकलौते लेखक हैं जी। वैसे संपादक हमारा और हम संपादकों का बहिष्कार करते हैं। हमें बहिष्कार बहिष्कार खेलना अच्छा लगता है। आज की दुनिया का सबसे अच्छा गेम यही बहिष्कार है, जो बरकरार है। सरकार काम न करें तो उसका सरेआम बहिष्कार कर दो। नगर निगम सफाई व्यवस्था पर निगाह नहीं रखें तो बहिष्कार कर दो। शहर में घूमते आवारा कुत्तों, बंदरों को न पकड़वाये तो उसका बहिष्कार कर दो। प्रशासन ने बंदरों, आवारा कुत्तों की कोई सुध नहीं ली, प्रशासन का बहिष्कार कर दो। नरक निगम ने बंदरों, कुत्तों को पकड़ने के लिए टेंडर जारी किया था, लेकिन फर्मों ने टेंडर का ही बहिष्कार कर दिया, वो क्या है कि टेंडर में भ्रष्टाचार का प्रावधान का प्रतिशत कम था। बहिष्कार बड़ी चीज है। समौसा, कचोरी, गोलगप्पों के रेट बढ़ गए हैं, इसलिए रेट बढ़ने बढ़ाने का रोना मत रोओ, समौसों, कचौरियों, गोलगप्पों का ही बहिष्कार कर दो। यह कहकर बहिष्कार करें कि "ये सब टेस्टलेस हैं।" पैट्रोल डीजल, रसोई गैस के भाव शनैः शनैः बढ़ रहे हैं, सरकार का बहिष्कार मत कीजिए क्योंकि यह गलत बात है, तोताराम जी कहते हैं कि महंगाई का बहिष्कार कर दीजिए, क्योंकि हमें सिर्फ और सिर्फ बहिष्कार से मतलब है। महंगाई का रोना मत रोओ, महंगाई का समाधान है, हमें "हर हल,मिले फल" ज्योतिष केन्द्र के एक बाबाजी ने बताया था, वाहन और भोजन से दूरी बनाकर रखें, इन दोनों वस्तुओं का सिरे से बहिष्कार कर दें। बहिष्कार, बहिष्कार रटें और बहिष्कार किए बिना कहीं भी न डटें। अजी ! रैन बसेरों में रोटी, कपड़ा और रहने को स्थान नहीं मिले तो उनका बहिष्कार कर दो। बहिष्कार है पग पग, बहिष्कार है जग जग। बहिष्कार की बन गई है हब हब हब, बहिष्कार करो मन चाहे जब जब, जब। बहिष्कार नहीं करोगे तो और करोगे क्या और कब ? बहिष्कार की भर लो बाल्टी, मग और टब। चुनावों में कोई भी पार्टी पसंद नहीं आए तो जी अपना वोट "नोटा" पर डालो। कहीं आने जाने के लिए साधन नहीं मिले तो ईंट से ईंट बजा डालो, व्हीकल्स का बहिष्कार कर डालो। सरकार, प्रशासन को मिनटों में कोस डालो। हमारे देश में कुछ लोग चीन के सामान का बहिष्कार करते हैं, लेकिन अपना फोटो चीनी मोबाइल से ही खिंचवाते हैं। खैर, ये उनके बहिष्कार का अपना तरीका है, वैसे ऐसे लोगों का ये लेखक भी बहिष्कार करता है। वो हमारे तोताराम जी चीनी(चाइनीज) माल के बहिष्कार पर रोज आपत्ति दर्ज कराते हैं और कहते फिरते हैं कि इससे चीन को नुकसान नहीं होगा। कुछ न्यूज चैनलों ने तो तोताराम जी की बातों को सुनकर उनका पूर्णतः बहिष्कार कर दिया, लेकिन कुछ न्यूज चैनलों ने न्यूज चैनलों के बहिष्कार पर ही स्टोरी बना डाली।

अभिव्यक्ति

भारत की राजनीति में जाति धर्म एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर

दीपक कुमार त्यागी

देश के सर्वोच्च पदों में से एक उप-राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव इस वर्ष जुलाई-अगस्त के माह में संभावित हैं। वैसे तो देश के 14वें उप-राष्ट्रपति पद के चुनावों की चर्चा भले ही देश की मीडिया से अभी तक पूरी तरह से गायब है, लेकिन सत्ता के शीर्ष राजनीतिक गलियारों में इस पद को सुशोभित करने वाले उस भाग्यशाली व्यक्ति की तलाश तेज के साथ हो रही है, इस शीर्ष पद पर आसीन होने का अपना सपना पूरा करने के लिए कुछ राजनेता राजनीतिक बिसात बिछाने में व्यस्त हैं, उप-राष्ट्रपति के आगामी चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने स्तर पर गुपचुप ढंग से रणनीति बननी शुरू कर रखी है। हालांकि चुनाव होने के हालात में भी इस बेहद सम्मानित पद पर किसी भी व्यक्ति को विजयी करवाने के लिए एनडीए गठबंधन के पास जादुई संख्या बल मौजूद है, जिसके चलते अन्य दलों में खुल्लमखुल्ला उप-राष्ट्रपति पद के लिए कोई विशेष राजनीतिक गहमागहमी होती नजर नहीं आ रही है। लेकिन एनडीए की तरफ से उप-राष्ट्रपति पद के लिए किसका व्यक्ति का नाम तय होगा, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। वैसे तो यह सब कुछ एनडीए के सबसे बड़े घटक दल के रूप में भाजपा को तय करना है कि वह एक ऐसा नाम अपने सहयोगियों के सामने लेकर आये, जिस नाम पर सभी सहयोगी दलों व यहां तक की विपक्षी दलों की भी आम सहमति बनकर, उसका निर्विरोध निर्वाचन हो जाये। सूत्रों की मानें तो फिलहाल इस पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के बीच गहन रूप से मंथन चल रहा है और मोदी, शाह, नड्डा व संघ की स्वीकृति के बाद बहुत जल्द ही वह भाग्यशाली नाम देश-दुनिया के सामने होगा। वैसे तो आज के दौर की भाजपा में मोदी-शाह-नड्डा व संघ की सहमति के बिना कुछ भी संभव नहीं है, लेकिन फिर भी राजनीति में कब कौन व्यक्ति क्या बन जाये, यह सब हाल देश-समय-काल व राजनीतिक परिस्थितियों पर ही पूर्ण रूप से निर्भर करता है। देश के आज के राजनीतिक परिदृश्य व प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली हम देखें तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने निर्णयों से सभी को आश्चर्यचकित करने वाली शख्सियत हैं, कहीं ना कहीं वह देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सक्रिय राजनीति से विदाई उनके राजनीतिक कद को देखते हुए सम्मानजनक पद के साथ करना चाहते हैं, सूत्रों की मानें तो मोदी वर्ष 2024 में लखनऊ लोकसभा सीट से कोई और चेहरा लाना चाहते हैं, मोदी की इस रणनीति के चलते ही राजनाथ सिंह के उप-राष्ट्रपति बनने की बेहद प्रबल संभावनाएं हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी यह जानते हैं कि राजनाथ सिंह भारतीय राजनीति की एक ऐसी शख्सियत हैं, जिस नाम की स्वीकार्यता भाजपा के दिग्गज राजनेताओं से लेकर के, भाजपा संगठन के खास व आम कार्यकताओं तक के बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, एनडीए के सभी सहयोगी घटक दलों के बीच व यहां तक की देश के विपक्षी दलों के बीच भी बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह अच्छे से जानते हैं कि भारत की राजनीति में जाति धर्म एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है, जातिगत गणित की मौजूदा परिस्थिति व वर्ष 2024 के आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राजनाथ सिंह के कद की उपयोगिता बेहद अहम हैं, इसलिए पार्टी उनको व उनके समर्थकों को साधने पूरा प्रयास अवश्य करेगी। वैसे भी हाल ही उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में राजनाथ सिंह के राजनीति में बेहद सक्रिय पुत्र नीरज सिंह को टिकट भी नहीं दिया गया था, वहीं राजनीति में अपना एक अलग महत्वपूर्ण मुकाम बना चुके पुत्र पंकज सिंह को भी नोएडा विधानसभा से भारी मतों से विजयी होने के बाद भी उत्तर प्रदेश के मंत्रीमंडल से बाहर रखा गया था, जो कि राजनेताओं व आम जनमानस दोनों के समझ से परे है। वैसे राजनीति की समझ रखने वाला हर व्यक्ति यह जानता है कि नरेंद्र मोदी कैबिनेट में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक ऐसे लोकप्रिय व्यक्तित्व के राजनेता हैं, जिनकी देश के पक्ष-विपक्ष के राजनीतिक दलों और विभिन्न जाति-धर्म के लोगों के बीच एक बेहद मजबूत पकड़ है, फिलहाल वह पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी से दूर एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी सबसे बनती है, उन्होंने पार्टी में अटल,आडवाणी, जोशी, वैंकेया नायडू, गडकरी का युग भी देखा है, तो स्वयं भाजपा के दो बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सफलतापूर्वक संगठनात्मक स्तर पर कार्य करके भी देखा है, अब वह मोदी-शाह-नड्डा का युग भी देख रहे हैं।

एचडीएफसी की कामयाबी का राज क्या?

आर.के. सिन्हा

एचडीएफसी बैंक में एचडीएफसी लिमिटेड के विलय को कई स्तरों पर गंभीरतापूर्वक देखना होगा। हिन्दुस्तान का हर वह शख्स जो अपने घर का सपना देखता हैए वह हाउसिंग लोन एचडीएफसी बैंक से ही पहले लेने के संबंध सोचता है। दूसरी बात यह कि एचडीएफसी बैंक देश के नौजवानों की पहली पसंद हो गया है। अगर आपको यकीन ना हो तो किसी एचडीएफसी बैंक की शाखा में कुछ देर खड़े होकर देख लें कि वहां के कस्टमर का सामान्य प्रोफाइल किस तरह का है। अब यह माना जा रहा है कि विलय के बाद एचडीएफसी बैंक टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को पीछे छोड़कर भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। पर यह कितने लोगों को पता है कि इस सफलता की इबारत लिखने में एचडीएफसी के चेयरमैन दीपक पारेख और कुछ समय पहले तक एचडीएफसी बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर रहे आदित्य पुरी का खास रोल रहा है। दीपक पारेख ने एचडीएफसी बैंक की कमान आदित्य पुरी को सौंपी। आदित्य पुरी तब मलेशिया में सिटी बैंक में काम कर रहे थे। आदित्य पुरी को एक नए बैंक को खड़ा करना चुनौतीपूर्ण लगा। उन्होंने सिटी बैंक की शानदार नौकरी को छोड़कर एक बिल्कुल नए बैंक में नौकरी करना चुनौतीपूर्ण अवसर के रूप में सही माना। उसके बाद आदित्य पुरी ने एचडीएफसी बैंक को खड़ा किया। उन्होंने एचडीएफसी बैंक को देश के सर्वश्रेष्ठ बैंकों में से एक के रूप में स्थापित कर के दिखा दिया। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड के विलय से पहले आदित्य पुरी रिटायर हो गए। लेकिन, उन्होंने अपने कई योग्य उत्तराधिकारी तैयार कर लिए। उन्हें कप्तानी के गुण समझाए-सिखाए। इसलिए वहां सत्ता का हस्तातंरण मजे से हो गया। आदित्य पुरी के जाने के बाद भी एचडीएफसी बैंक आगे बढ़ रहा है। एचडीएफसी बैंक का एचडीएफसी लिमिटेड में विलय भी इस बात की गवाही है। दरअसल किसी पार्टी, परिवार से लेकर संस्थान की पहचान उसके कप्तान से होती है। वही दिशा देता है और उसका ही विजन होता है। पर अफसोस कि सब बैंकों या दूसरे संस्थानों को आदित्य पुरी या दीपक पारेख जैसे गुणी लोग शिखर पर नहीं मिलते। राणा कपूर में भी बहुत संभावनाएं देखी जा रही थीं। वे यस बैंक के चेययमैन थे। पर राणा कपूर की काहिली और करप्शन के कारण यस बैंक लगभग डूब ही गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले साल यस बैंक से पैसे निकालने की अधिकतम सीमा तय कर दी थी। राणा कपूर ने यस बैंक को नोच-नोचकर खाया। पर आखिर में जब उनके पाप का घड़ा भरा तब वे जेल में हैं। मतलब वे यस बैंक को एचडीएफसी बैंक के स्तर पर लेकर जाने में असफल रहे। या उन्होंने कोशिश ही नहीं की, उनके लालच से उनका बैंक धूल में मिलता रहा। अब आईसीआईसीआई बैंक की भी बात कर लेते हैं। इसकी एमडी और सीईओ चंदा कोचर ने भी बैंक को खूब चूना लगाया। कोचर ने नियमों को ताक पर रखकर वीडियोकॉन को लोन दिये। अंत में वह भी अपने ही बुने जाल में फंस गईं और जेल भी गईं। दरअसल विगत कुछ समय के दौरान देश के कई दिगगज बैंकर अपनी ही करतूतों के कारण फंसे। यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) अर्चना भार्गव के खिलाफ भी करप्शन का केस दर्ज किया गया था। अर्चना भार्गव पर आरोप था कि वर्ष 2011 में केनरा बैंक का कार्यकारी निदेशक रहते हुए और 2013 में यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया की सीएमडी के तौर पर उन्होंने उन कंपनियों को दिल खोलकर लोन दिलवाया जो उनके पति और पुत्र की कंपनियों से डील करती थीं। वह पति और पुत्र के जरिये कमीशन खा रही थीं। उधर, सिंडिकेट बैंक के सीएमडी एस.के. जैन 50 लाख रुपये की घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार किये गये थे। लब्बोलुआब यह है कि बिना कुशल नेतृत्व के कोई संस्थान बुलंदियों को नहीं छू सकता। हरेक संस्थान को लगातार न्यायप्रिय और मेहनती नेतृत्व मिलते रहना चाहिए।

आजकल के चमचे और इश्क-ए-खुमार

डॉ. सुरेश

घर में एक पुरानी कढ़ाई थी। उसका चम्मच से चक्कर था। दोनों का प्यार एक साल तक बदस्तूर चलता रहा। प्यार भी ऐसा जो सातवें आसमान पर हो। उनके इश्क-ए-खुमार का पता इसी से चल जाता कि सब्जी कढ़ाई में बनाओ तो खुशबू चम्मच को पहुँचती। वहीं कढ़ाई धुलने के लिए होती तो चम्मच का रो-रोकर बुरा हाल होता। शुरू शुरू में इश्क इतना कि दोनों एक-दूसरे के बिना रह नहीं सकते थे। दिखने में कढ़ाई और चम्मच अलग-अलग थे, लेकिन इश्क की खुशबू दोनों की एक सी थी। यही किस्सा दूसरे साल भी चलता रहा। कोई दूसरा चम्मच या कलछुल कढ़ाई को छू लेता तो चम्मच का हाल काटो तो खून नहीं वाला हो जाता। दोनों तीन साल तक कभी चूल्हे पर तो कभी भंडारघर में साथ-साथ नजर आते। दोनों का रिश्ता इतना गहरा चुका था कि एक-दूसरे के बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते थे। अब भला समय भी कोई चीज होती है। आज जो अच्छा लगता है कल वही खराब लग सकता है और जो कल तक खराब लगता है वही अब अच्छा लग सकता है। कढ़ाई पुरानी पड़ चुकी थी। इश्क की रगड़ में पेंदी गल चुकी थी। अब घर का मालिक उसका कम ही इस्तेमाल करता था। एक दिन घर में नई कढ़ाई आई और चम्मच का आकर्षण उसके प्रति बढ़ने लगा। धीरे-धीरे उसने पुराने इश्क के खुमार को पुरानी पड़ चुकी कढ़ाई के हवाले करते हुए नई कढ़ाई के संग जोड़ी बना ली। यह देख पुरानी कढ़ाई बड़ी दुखी हुई। इससे पहले कि वह कुछ पूछे चम्मच बोल पड़ा झ मैं जानता हूँ कि तुम यही जानना चाहती हो न कि मैं तुम्हें क्यों छोड़ रहा हूँ? तो सुनो झ जब एक दल कई साल पुराने अपने संगी दल को छोड़कर गठबंधन कर सकता है, कोई पुराना नेता मंत्री पद का लुत्फ उठाने के बाद नए दल में घुस सकता है, कोई दंपत्ति बाल-बच्चे होने के बावजूद किसी दूसरे पार्टनर के संग रह सकते हैं, तो मैं फिर भी चम्मच हूँ।

आईपीएल को लेकर अपने बयान से पलटे रमीज राजा, कहा- मुझे गलत समझा गया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा आईपीएल से जुड़े अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने पहले कहा था कि ऑक्शन के जरिए पीएसएल में खिलाड़ियों की नीलामी कराने से इस लीग में पैसा बढ़ेगा और इससे उनका मान भी बढ़ेगा। इसके बाद देखेंग कि कौन पीएसएल छोड़कर आईपीएल खेलने जाएगा। अब रमीज अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से लिया गया। उन्हें इस बात का अंदाजा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था आज के समय में कहां पहुंच चुकी है। आईपीएल को लेकर बयानबाजी के बाद रमीज की काफी आलोचना हुई थी। सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा था कि आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है और किसी भी दूसरे क्रिकेट लीग को उस स्तर पर पहुंचाना आसान नहीं होगा।

क्या था रमीज का बयान

रमीज ने कहा था कि पीसीबी की आय का मुख्य स्त्रोत पीएसएल, स्पॉन्सरशिप और आईसीसी है। बोर्ड पीएसएल में इंडियन प्रीमियर लीग के मॉडल को अपनाकर ज्यादा कमाई कर सकता है। इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी शुरू की जा सकती है। अगले सीजन के लिए मॉडल पर बातचीत जारी है। हमारी टीम इसे नीलामी मॉडल में बदलना चाहती है। इसके लिए सभी टीमों से बातचीत की जाएगी। बाजार अभी इसके लिए मुफीद है। पीएसएल में अभी खिलाड़ियों का चयन ड्राफ्ट के जरिए होता है। रमीज राजा ने आईपीएल पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बढ़ती है तो हमारा सम्मान बढ़ेगा। हम अगर नीलामी प्रक्रिया को लागू करते हैं और फ्रेंचाजियों के पर्स को बढ़ता हैं तो हम आगे बढ़ सकते हैं। फिर देखते हैं कि कौन पीएसएल को छोड़कर आईपीएल खेलने के लिए जाता है।

'जाट अच्छे ड्राइवर होते हैं', दीपक हुड्डा की बल्लेबाजी पर फैंस की प्रतिक्रिया आई चर्चा में

मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के दीपक हुड्डा इस सीजन में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने गुजरात के खिलाफ 55 तो चेन्नई के खिलाफ 13 रन बनाए थे। सोमवार को हैदराबाद के खिलाफ जब उनकी टीम 27 रन पर तीन विकेट गंवा चुकी थी तब उन्होंने 33 गेंदों में 51 रन की पारी खेलकर अपनी टीम के मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। हुड्डा के बल्ले से इस दौरान तीन चौके और तीन छक्के भी निकले। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा उनके उस छक्के की हुई जो उन्होंने उमरान मलिक की गेंद पर लगाया। असल, सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने इस मैच में तेज गति से गेंद फेंकने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उमरान ने 152 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी की। लेकिन हुड्डा के सामने यह काम नहीं आई। हुड्डा ने दीपक हुड्डा की पहली गेंद पर चौका जमाया तो दूसरी गेंद जोकि 148 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से थी पर छक्का जड़ दिया। तेज गति की गेंदों के आगे दीपक हुड्डा ने अपनी तक्नीक के कारण खूब प्रशंसा जुटाई। खास तौर पर सोशल मीडिया पर बैठे प्रशंसकों ने खूब तारीफ की। एक प्रशंसक ने लिखा- मैं हमेशा विश्वास करता हूं कि जाट बेहतरीन ड्राइवर होते हैं। आज इसपर और यकीन हो गया जब दीपक हुड्डा को उमरान मलिक की तेज गति को कंट्रोल करते हुए देखो।

उमरान मलिक की 152 किमी./घंटा की स्पीड देख चौके फैंस, लिखा- भविष्य का बॉलर

मुंबई। वानखेड़े स्टेडियम में एक बार फिर से सनराजइर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अपनी तेज रफ्तार से सबको चौका दिया। लखनऊ की ओर से जब केएल राहुल के साथ दीपक हुड्डा बल्लेबाजी कर रहे थे तो उमरान मलिक ने 152 किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सबको चौका दिया। हालांकि उनकी तेजतर्रार गेंदों पर दोनों बल्लेबाजों ने रन जरूर बरसाए लेकिन अपनी तेजी के कारण उमरान फैंस का दिल जीत ले गए। सोशल मीडिया पर जैसे ही यह वायरल हुआ कि उमरान मलिक ने 150 किमी. प्रति घंटा से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी की है। लोगों ने उन्हें टीम इंडिया का भविष्य का बॉलर बता दिया।

लक्ष्य सेन की विजयी शुरूआत, दूसरे दौर में पहुंचे, प्रणॉय हारकर बाहर

नई दिल्ली। भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन ने कोरिया बैडमिंटन ओपन में जीत के शुरूआत की है। 20 वर्षीय लक्ष्य ने पुरुष एकल के पहले दौर में स्थानीय खिलाड़ी चोई जी हून को हराया। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य को हालांकि पहला गेम 14-21 से गंवाना पड़ी लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी की और आखिरी के दोनों सेट 21-16, 21-18 से जीतकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

छठे वरीय लक्ष्य पिछले कुछ समय से जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने दुनिया के शीर्ष पांच के

खिलाड़ियों को हराकर अपना लोहा मनवाया है। भारतीय खिलाड़ी ने पिछले छह महीने में इंडियन ओपन का खिताब जीता, इसके बाद जर्मन ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उपविजेता रहे। इस दौरान उन्होंने विश्व चैंपियन लोह कीन येव, दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन, तीसरे नंबर के एंडर्स एंटोनसेन और सातवें नंबर के ली जी जिया को भी हराया।

लक्ष्य ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने के बाद स्विस ओपन से हट गए थे और अब वह फिर से लौटे हैं और जीत के साथ आगाज किया है। पुरुषों के एकल स्पर्धा में हालांकि भारत के एचएस प्रणॉय को पहले ही दौर में हारकर बाहर होना पड़ा है। उन्हें मलयेशिया के चेएम जून वेई के हाथों 21-17, 21-7 से शिकस्त मिली।

विराट कोहली के कमेंट पर शुभमन गिल ने का रिप्लाई, किंग कोहली से मिली है 'वॉच'

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वह सूट पहने हुए नजर आ रहे हैं। इसी के साथ ही उन्होंने एक शानदार घड़ी भी पहनी है। इस तस्वीर को शेयर करने के बाद भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने कमेंट करते हुए पूछा कि ये घड़ी कहा से ली है। ये घड़ी उन्हें खुद विराट कोहली ने गिफ्ट में दी है। गिल ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, क्या अब मैंने आपका ध्यान खींचा है। इस पर कुछ क्रिकेटरों ने भी कमेंट किया जिसमें हार्दिक पांड्या ने कमेंट किया हां। वहीं विराट कोहली ने कमेंट करते हुए लिखा, घड़ी अच्छी है कहां से ली। इस पर गिल ने विराट कोहली को टैग करते हुए कमेंट्स में हंसते हुए लिखा, ये गिफ्ट (घड़ी) मुझे किंग कोहली ने गिफ्ट की है। गिल द्वारा शेयर की गई फोटो को 1.50 लाख से ज्यादा लोगों ने पसंद किया है। वहीं इस कोहली के इस कमेंट पर 1700 से ज्यादा लोगों ने रिप्लाई दिया है। गौर हो कि गिल इस समय आईपीएल में खेल रहे हैं और नई टीम गुजरात टाइटन्स का हिस्सा हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गिल की 84 रनों की पारी के बाद पूर्व भारतीय कोच ने गिल की तारीफ करते हुए कहा है कि वह शुद्ध प्रतिभा है। वह इस देश में और विश्व क्रिकेट में सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में से एक है। उन्होंने कहा कि गिल का स्ट्राइक रोटेशन और शॉट चयन उनकी सफलता की कुंजी है। एक बार जब वह मैदान में जा रहा है तो वह स्कोर करेगा और वह इसे आसान बना देगा।

इंटर कॉलेज खो-खो प्रतियोगिता: सुंदरनगर ने पीजी कॉलेज मंडी को हराकर अपने नाम ट्रॉफी

नई दिल्ली। इंटर कॉलेज खो-खो प्रतियोगिता में मेजबान एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर ने पीजी कॉलेज मंडी को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

आयोजन समिति के सचिव लोकेश शर्मा ने बताया प्रतियोगिता का फाइनल मैच एमएलएसएम कॉलेज सुंदरनगर और पीजी कॉलेज मंडी के मध्य खेला गया। सुदंरनगर की टीम ने मंडी को 13-4 अंकों से हराया। एमएलएसएम कॉलेज की तरफ से तरुण ने मंडी के 4, नवीन ने 2 और ललित ने 3 खिलाड़ियों को आउट किया।

मंडी की तरफ से कप्तान अजय ने एमएलएसएम कॉलेज के 3 खिलाड़ियों को आउट किया। समापन अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त मंडी जतिन

लाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ.सीपी कौशल, डॉ. कामेश्वर, डॉ. मुकेश वर्मा, डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. लतेश कपूर, कमलेश सेन, प्रो. डेजू रतन, रजनी शर्मा और प्रो. सुरजीत मौजूद रहे।

मिशन 'गोल्ड मेडल' : राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों की तैयारी के लिए खेल मंत्रालय का फैसला, एथलीट्स पर 190 करोड़ रुपये करेगा खर्च

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल एवं युवा मंत्रालय ने राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की तैयारी को लेकर बड़ा फैसला लिया है। उसने 33 खेल विषयों के लिए प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं (एसीटीसी) के वार्षिक कैलेंडर को अंतिम रूप दिया है और इसके लिए 259 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की है। इससे विभिन्न राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को सहायता भी दी जाएगी। इसमें से 190 करोड़ रुपये राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए एथलीटों के प्रशिक्षण, उसमें लगने वाले उपकरण और सहायक कर्मचारियों पर खर्च किए जाएंगे। यह बजट 33 एनएसएफ के साथ विस्तृत चर्चा के बाद तय किया गया है। राष्ट्रमंडल खेल इस साल अगस्त में बर्मिंघम में और एशियाई खेल इस साल सितंबर में चीन के ग्वांगझू में खेला जाएगा। मंत्रालय ने एनएसएफ से बातचीत कर उन सभी बातों का ध्यान रखा है, जिससे एथलीटों को इस साल होने वाले इन दो बड़े खेलों की तैयारी में कोई कमी न आए। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और उनके मैचों का पूरा ख्याल

रखा है। उन्होंने कहा कि एथलीटों की तैयारी में राशि कोई बाधा नहीं बनेगी। जब भी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को जरूरत होगी, उनकी मदद की जाएगी ताकि वह देश के लिए मेडल जीत सकें।

विनोद राय की किताब में दावा, विराट ने कहा था, कुंबले से 'डरे हुए' रहते थे युवा खिलाड़ी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कोच अनिल कुंबले और कप्तान विराट कोहली के रिश्तों में खटास अक्सर चर्चा में रही है। दोनों स्टार खिलाड़ियों ने भारतीय क्रिकेट के लिए एक साथ काम किया था लेकिन कई विवादों के बीच यह जोड़ी जल्दी ही टूट गई। अब उनसे जुड़े एक और विवाद को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। दोनों के बीच के टकराव और विवाद पर पूर्व आईएएस अधिकारी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रशासकों की समिति (सीओए) के प्रमुख रहे विनोद राय की किताब में कई बातें सामने आई हैं।

आईपीएल में फिक्सिंग विवाद के बाद भारतीय क्रिकेट काफी मुश्किल से गुजर रहा था। ऐसे वक्त में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक विनोद राय को भारतीय क्रिकेट को संभालने की जिम्मेदारी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की प्रशासकों की समिति (सीओए) का गठन किया था जिसकी कमान विनोद राय को दी गई थी। इसी दौरान भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा विवाद भी चल रहा था। उस वक्त के कप्तान विराट कोहली और कोच अनिल कुंबले के बीच रिश्तों में मतभेद की खबरें भी बहुत सामने आई थीं।

अपनी किताब, 'नॉट जस्ट ए नाइटवॉचमैन- माय इनिंग्स इन द बीसीसीआई' में पूर्व आईएस अधिकारी ने भारतीय क्रिकेट के इस विवाद पर खुलकर लिखा है। साल 2017 में राय को क्रिकेट ऑफ एडमिनिनस्ट्रेटर (सीओए) बनाया गया था। इसी कमिटी ने तीन साल तक भारतीय क्रिकेट को चलाया था। अंग्रेजी अखबार इंडियन एक्स्प्रेस में राय की किताब के हवाले से दावा किया गया है कि कोहली और कुंबले विवाद पर राय ने दावा किया कि कप्तान और कोच का रिश्ता किसी भी लिहाज से स्वस्थ नहीं कहा जा सकता। राय ने अपनी किताब में लिखा, ÷कप्तान और टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत में मुझे यह पता चला कि कुंबले बहुत ज्यादा अनुशासक थे और इसी वजह से टीम सदस्य उनसे बहुत ज्यादा खुश नहीं थे। मैंने विराट कोहली से इस बारे में बात की थी और उन्होंने यह भी जिक्र किया था कि जिस तरह से कुंबले टीम के युवा सदस्यों के साथ काम करते थे उससे वे काफी डरे हुए रहते थे।'राय ने कहा कि दूसरी ओर कुंबले ने ष्टह्व को बताया था कि वह टीम की भलाई के लिए ही काम करते हैं। और मुख्य कोच के तौर पर उनके रिकॉर्ड को ज्यादा महत्ता दी जानी चाहिए न कि खिलाड़ियों की कथित शिकायतों पर गौर करना चाहिए।

राय ने लिखा, 'जब वह यूके से लौटकर आए तो हमने अनिल कुंबले से लंबी बातचीत की। जिस तरह से पूरी घटना सामने आई उससे वह जाहिर तौर पर काफी निराश थे। उन्हें लगता था कि उनके साथ गलत व्यवहार किया गया और एक कप्तान और टीम को इतनी महत्ता नहीं दी जानी चाहिए। कोच का यह कर्त्तव्य है कि टीम में अनुशासन लेकर आए और एक सीनियर होने के नाते खिलाड़ियों को उनकी राय का सम्मान करना चाहिए।'

ऑस्ट्रेलिया को मिला नया जसप्रीत बुमराह, स्पिन गेंदबाजी छोड़ सटीक यॉर्कर करने की कोशिश

सिडनी। भारत के जसप्रीत बुमराह आज के समय में दुनिया के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए कमाल का प्रदर्शन किया है। बुमराह के आने के बाद भारत ने विदेशों में कमाल का प्रदर्शन किया है। खासकर टेस्ट सीरीज में भारत का प्रदर्शन लाजवाब रहा है। इसमें बुमराह का योगदान काफी अहम है। उनका एक्शन भी बाकी तेज गेंदबाजों से काफी अलग है और इस वजह से भी उन्हें विकेट लेने में आसानी होती है। अपने खास एक्शन के चलते बुमराह काफी लोकप्रिय हो चुके हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के एक खिलाड़ी ने बुमराह के एक्शन की नकल की है। निक मैडिसन ने बाएं हाथ से सटीक यॉर्कर करने की कोशिश की है।

निक मैडिसन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज हैं, जो बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। वो आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और आमतौर पर बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं, लेकिन अब उन्होंने बुमराह के एक्शन की नकल करने की कोशिश की है।

शेफील्ड शील्ड के फाइनल में कॉपी किया बुमराह का एक्शन- ऑस्ट्रेलिया के घरेलू टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड के फाइनल मुकाबले में मैडिसन ने बुमराह का एक्शन कॉपी किया है। यह मैच वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया के बीच था। मैच के दौरान विक्टोरिया के पार्ट टाइम गेंदबाज निक मैडिसन गेंदबाजी के लिए आए और बुमराह के एक्शन में गेंदबाजी की। आमतौर पर ऑफ स्पिन गेंदबाजी करने वाले मैडिसन को तेज गेंदबाजी करता देख कमेंटेटर भी हैरान रह गए और उनके एक्शन की तुलना बुमराह से की।

छठी बॉशिया नेशनल चौंपियनशिप में सचिन चमड़िया का कमाल, लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। दिल्ली के सचिन चमड़िया ने छठी राष्ट्रीय पैरा बोशिया चौंपियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक जीतकर कमाल कर दिया है। राष्ट्रीय पैरा बोशिया चौंपियनशिप में उन्होंने लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता है। चितकारा विश्वविद्यालय में आयोजित इस चैंपियनशिप में 31 साल के सचिन ने एकल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा बीसी-3 श्रेणी में पंजाब की निवरण पम्मा के साथ मिक्स्ड डबल्स में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक जीता। उन्होंने पिछले साल अपने प्रतिद्वंदी को 17-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था, जो एक एक रिकॉर्ड है।

सचिन का जन्म 11 दिसंबर 1990 में असम के नार्थ लखीमपुर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र चमड़िया स्टार सीमेंट के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। माता-पिता के मार्गदर्शन में सचिन ने बचपन से ही पढ़ाई और खेलकूद में काफी कुछ हासिल किया। 2008 में सचिन कोलकाता में एक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए और 17 साल के सचिन को स्पाइनल कॉर्ड इंजरी हुई। इसके बाद सचिन की छाती से नीचे के चारों अंगों ने काम करना बंद कर दिया। उन्हें दैनिक गतिविधियों के लिए अपने केयरटेकर तथा व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ा।

सचिन ने नहीं मानी हार

व्हीलचेयर पर आने के

बावजूद मजबूत इरादों वाले सचिन ने हार नहीं मानी। साल 2008 में ही उन्होंने 12वीं की परीक्षा पास की। इसके बाद श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई पूरी की। अब वो अपनी कंपनी ग्रोवेल्थ कैपिटल एल. एल. पी. का संचालन कर रहे हैं। 2021 में सचिन चमड़िया ने दुबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता 5वीं फाजा दुबई 2021 वर्ल्ड एशिया-ओशिनिया रीजनल चौंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर के दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर दी।

सचिन किसी भी नई चुनौती का सामना करने से पीछे नहीं हटते। छठी राष्ट्रीय पैरा बोशिया चौंपियनशिप-2022 में भारत के 19 राज्यों से करीबन 100 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। सचिन ने इस प्रतियोगिता में दूसरी बार हिस्सा लिया और बीसी- 3 श्रेणी में लगातार दूसरे साल स्वर्ण पदक जीता।

क्या है बॉशिया

बॉशिया, दिव्यांग जनों की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया पैरालंपिक के 22 खेलों में से एक है। इस खेल में प्रतिस्पर्धी चार श्रेणियों बीसी-1, बीसी 2. बीसी 3 तथा बीसी 4 प्रतियोगिता करते हैं। भारत में यह खेल 6 साल पहले आया तथा आज 80 से अधिक देशों में खेला जाता है। इस जीत ने सचिन के हौसलों को एक उड़ान दी है। वह अब आगामी एशियन गेम्स के लिए भारत को गोल्ड मेडल जिताने की मेहनत में लगे हुए हैं, जिसका आयोजन 2022 में चीन में होगा।

भारतीय टीम को भविष्य में खराब फैसलों से बचने की जरूरत: अंजुम

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि हाल में संपन्न महिला विश्व कप में भारत कभी खिताब के दावेदारों में शामिल नहीं था और भविष्य में वह चाहती हैं कि टीम खराब फैसले करने की विरासत को पीछे छोड़कर आगे बढ़े।न्यूजीलैंड में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की इस शीर्ष प्रतियोगिता में भारत उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया और उसके अभियान का अंत ग्रुप चरण में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के साथ हो गया।अंजुम ने दिए साक्षात्कार में कहा, ''समय आ गया है कि महिला क्रिकेट खराब फैसले करने की विरासत से उबरे और भविष्य में वे जो करना चाहते हैं तथा उसे कैसे करना चाहते हैं इसे लेकर ईमानदार रहें। अन्यथा हम कभी वहां तक नहीं पहुंच पाएंगे। ''

पांच साल पहले पिछले विश्व कप में उप विजेता बनने के बाद भारत से काफी उम्मीदें थी लेकिन कमेंटेटर के रूप में टूर्नामेंट पर करीबी नजर रखने वाली अंजुम को लगता है कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पहले के प्रदर्शन को देखते हुए मिताली राज की अगुआई वाली टीम कभी ट्रॉफी जीतने की दावेदार नहीं लग रही थी। भारत एकमात्र टीम देश था जिसे विश्व कप से पहले मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने का मौका मिला लेकिन इसके बावजूद टीम ना तो हालात से पूरी तरह सामंजस्य बैठा पाई और ना ही अपना संयोजन तय कर पाई। अंजुम ने कहा, ''मैं यह नहीं कहूंगी कि भारत खराब खेला। उन्होंने कुछ साधारण मुकाबले खेले जहां वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।'' उन्होंने कहा, ''विश्व कप से पहले न्यूजीलैड के खिलाफ खिलाड़ियों ने जिस तरह की तैयारी और कौशल दिखाया उसे देखकर मैं पाकिस्तान के खिलाफ उनके रवैये को देखकर हैरान थी (भारत हालांकि मैच जीत गया), उन्होंने जिस तरह की बल्लेबाजी की।'' इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''न्यूजीलैंड के खिलाफ फैसला (पहले गेंदबाजी करने का) हैरानी भरा था। किसी देश में काफी पहले आ जाना, छह मैच खेलना और अगर इसके बावजूद आप हालात से अंजान हो तो यह कहना अनुचित होगा कि भारत ने खराब प्रदर्शन किया, मैं कहूंगी कि वह मुकाबले में ही नहीं थे।''

लखनऊ ने हैदराबाद को 12 रन से हराया

मुंबई। लखनऊ सुपरजाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 12 रन से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 157 रन ही बना सकी। लखनऊ के तेज गेंदबाज आवेश खान ने 18वें ओवर में मैच पलट दिया। तब हैदराबाद को 18 गेंदों पर 33 रन की जरूरत थी। उस वक्त निकोलस पूरन और वॉशिंगटन सुंदर क्रीज पर थे। इस ओवर में आवेश ने लगातार दो गेंदों पर निकोलस पूरन (34) और अगली गेंद पर बल्लेबाजी

के लिए आए अब्दुल समद (0) को पवेलियन भेजा। इस ओवर में आवेश ने सिर्फ सात रन दिए। इससे हैदराबाद की टीम उबर नहीं सकी और हार गई।

लखनऊ की टीम की यह लगातार दूसरी जीत है। टीम ने अब तक कुल तीन मैच खेले हैं। पहले मैच में गुजरात के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लखनऊ ने वापसी करते हुए चेन्नई और हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की। इस जीत के साथ लखनऊ टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है। वहीं, हैदराबाद की यह लगातार दूसरे मैच में दूसरी हार है। एसआरएच की टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे आखिरी यानी 10वें नंबर पर मौजूद है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ टीम की शुरुआत खराब रही। 16 रन के स्कोर तक टीम ने क्विंटन डिकॉक (1) और एविन लुईस (1) के विकेट गंवा दिए थे। दोनों को वॉशिंगटन सुंदर ने पवेलियन भेजा। इसके बाद रोमारियो शेफर्ड ने मनीष पांडे (11) को भी आउट कर दिया। 27 रन तक लखनऊ ने तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद केएल राहुल और दीपक हुड्डा ने पारी संभाली।

श्रीलंका के 26 मंत्रियों के इस्तीफे को विपक्षी नेता ने बताया ड्रामा, कहा- जनता को बनाया जा रहा बेवकूफ

कोलंबो। आर्थिक संकट से गुजर रहा श्रीलंका मदद के लिए अब भारत के सामने हाथ फैला रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि, श्रीलंका में विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा ने भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने पीएम मोदी से आग्रह करते हुए कहा कि, देश के इस संकट के समय में भारत श्रीलंका का साथ दें। वाइन में छपी एक खबर के मुताबिक,

श्रीलंका के विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने पीएम मोदी से आग्रह करते हुए कहा कि, कृपया कोशिश करें और श्रीलंका की यथासंभव मदद करें। यह हमारी मातृभूमि है, हमें अपनी मातृभूमि को बचाने की जरूरत है'। प्रेमदासा ने न्यूज एजेंसी के हवाले से प्रधानमंत्री मोदी को यह संदेश पहुंचाया है। बता दें कि, साजिथ प्रेमदासा ने श्रीलंका के 26 मंत्रियों द्वारा दिए गए इस्तीफे को ड्रामा बताया है। उन्होंने कहा कि, मैं आपको बता सकता हूं, मैं खुद और हम सभी तब से तैयार हैं जब से हमने समाज सेवा और राजनीतिक सेवा में प्रवेश किया है। हम किसी भी घटना के लिए तैयार हैं'। उन्होंने कहा कि जनता को बेवकूफ बनाने के लिए यह ड्रामा किया जा रहा है। ये लोगों को राहत देने की दिशा में कोई वास्तविक प्रयास नहीं है।ये बस उन्हें बेवकूफ बनाने की कवायद है।

हंगरी: पटरी से उतरी ट्रेन, कई लोगों की हुई मौत; घायलों की संख्या भी ज्यादा

बुडापेस्ट। हंगरी के दक्षिणी हिस्से में तड़के एक ट्रेन, एक वाहन को टक्कर मारने के बाद पटरी से उतर गई, जिससे कई लोगों की जान

चली गई और कई घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना माइंड्सजेन्ट शहर में सुबह सात बजे से पहले हुई। पुलिस ने बताया कि रेल पटरी पर एक वैन जा रही थी, जिसे ट्रेन ने टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रेन पटरी से उतर गई।

यूक्रेन की सड़कों पर शव मिलने के बाद रूस की वैश्विक स्तर पर निंदा

बुका। रूस को वैश्विक स्तर पर तब निंदा और युद्ध अपराधों के आरोपों का सामना करना पड़ा जब कीव के बाहरी इलाके से रूसी सैनिकों के हटने के बाद वहां सड़कों पर शव पड़े मिले। ये शव आम नागरिकों के प्रतीत होते हैं और इनमें से कुछ को जानबूझकर करीब से गोली मारी गई। खुले में पड़े शव या जल्दबाजी में खोदी गई कब्रों में शवों की तस्वीरें सामने आने के बाद क्रेमलिन के खिलाफ सख्त प्रतिबंधों की मांग की गई। इसमें रूस से ईंधन आयात में कटौती की मांग भी शामिल है। इस बीच, जर्मनी ने 40 रूसी राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और लिथुआनिया ने रूसी राजदूत को बाहर कर दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार कीव से बाहर निकले ताकि वह बुका नगर की 'भयावहता' को खुद की आंखों से देख सकें जिसे उन्होंने ''नरसंहार'' एवं ''युद्ध अपराध'' करार दिया।। जेलेंस्की ने कहा, ''मृत लोगों के शव बेसमेंट आदि में मिले हैं और यह बात सामने आई कि उनका गला घोंटा गया और प्रताड़ित किया गया।'' यूरोपीय नेताओं और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने रक्तपात की निंदा की। इनमें से कुछ ने इसे नरसंहार भी कहा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध अपराधों के मुकदमे का सामना करना चाहिए। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कीव के बाहर के दृश्यों को ÷मंच-प्रबंधित रूस विरोधी उकसावे के रूप में वर्णित करते हुए आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते रूसी सैनिकों के जाने के एक दिन बाद बुका के महापौर ने अत्याचारों का कोई जिक्र नहीं किया, लेकिन दो दिन बाद सड़कों पर बिखरे हुए शवों की तस्वीरें खींची गईं।

श्रीलंका में सियासी संकट : गोतबाया नहीं छोड़ेंगे राष्ट्रपति पद, बहुमत साबित करने वाले दल को सौंपेंगे सत्ता, वित्त मंत्री साबरी का दूसरे ही दिन इस्तीफा

बूचा। श्रीलंका में जारी भीषण आर्थिक संकट के बीच सत्ता संघर्ष भी जारी है। राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे ने विपक्ष की मांग पर पद छोड़ने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह संसद में 113 सदस्यों का बहुमत साबित करने वाले किसी भी दल को सत्ता सौंपने को तैयार हैं। इस बीच नवनियुक्त वित्त मंत्री अली साबरी ने दूसरे ही दिन इस्तीफा दे दिया।

श्रीलंका के विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग की थी, जिसे राजपक्षे ने ठुकरा दिया है। देश के राजनीतिक दलों में तनातनी बढ़ती जा रही है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति राजपक्षे की उस अपील को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने विपक्ष से एकता मंत्रिमंडल में शामिल होने का आग्रह किया था।

राजपक्षे परिवार के खिलाफ भड़के लोग

श्रीलंका में घनघोर आर्थिक संकट के बीच लोगों में अब सत्तारूढ राजपक्षे परिवार के खिलाफ आक्रोश बढ़ रहा है। महंगाई से त्रस्त लोग कह रहे हैं कि 'एक परिवार को देश को बर्बाद करने से रोको', 'हमारे देश को बेचना बंद करो।' श्रीलंका के ज्यादातर अहम पदों पर राजपक्षे परिवार का कब्जा है। डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति राजपक्षे ने राजनीतिक बैठकें कीं।

वहीं, देश में आवश्यक वस्तुओं की कमी और बिजली कटौती के खिलाफ जनता का विरोध जारी रहा। जनता के विरोध के बाद संसद की आज पहली बार बैठक होने वाली है। स्पीकर महिंदा यापा अभयवर्धने 225 सदस्यीय सदन में बहुमत साबित करने के लिए मतदान कराएंगे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि सदन में किस दल के पास 113 का बहुमत है।

विपक्ष सर्वदलीय सरकार के लिए तैयार नहीं

देश में जबर्दस्त आर्थिक संकट के बीच श्रीलंका सरकार के 26 कैबिनेट मंत्रियों ने रविवार को अपने पदों से सामूहिक इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति राजपक्षे ने संकट से निपटने के लिए विपक्षी दलों को कैबिनेट में शामिल होने और सर्वदलीय सरकार बनाने का न्योता दिया, लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं है।

श्रीलंका फ्रीडम पार्टी अब भी सरकार बचाने में जुटी

डेली मिरर अखबार ने बताया कि श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) के बाहर होने और कुछ सरकारी सांसदों के स्वतंत्र बैठने की धमकी देने से सरकार ने अपना दो-तिहाई बहुमत खो दिया है। एसएलपीपी अब भी अपनी 113 सीटों पर कब्जा करने की कोशिश कर रही है ताकि वह साधारण बहुमत के साथ भी सरकार में बनी रह सके और महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री बने रह सकें। यदि महिंदा राजपक्षे सरकार आज बहुमत साबित करने में विफल रही तो स्पीकर नए पीएम के लिए चर्चा करा सकते हैं और जैसा कि राष्ट्रपति ने कहा है नई पार्टी को वह सत्ता सौंप देंगे।

यूक्रेन जंग की मार्मिक तस्वीर : शर्मसार होती मानवता पर भारी कुत्ते की वफादारी, मालिक के शव के पास बैठा, कर रहा विलाप

कीव। यूक्रेन में जारी जंग ने इंसानियत पर कई बदनुमा दाग लगाए हैं। यह सोचने पर विवश किया है कि चौतरफा विकास की आंधी में 21 वीं सदी तक इंसान कहां पहुंचा है? सत्ताधीशों के अहंकार के चलते हजारों निर्दोष लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। जंग की ऐसी दर्दभरी व खौफनाक तस्वीरें रोजाना सामने आ रही हैं, जिससे किसी भी संवेदनशील इंसान की रुह कांप जाए। ताजा तस्वीर एक कुत्ते की है, जो बमबारी में मृत यूक्रेन के नागरिक के शव के पास से हटने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह अपने मालिक की मौत पर विलाप कर रहा है।

यह तस्वीर यूक्रेन की राजधानी कीव के आसपास के इलाके की बताई गई है। पूर्वी यूरोप

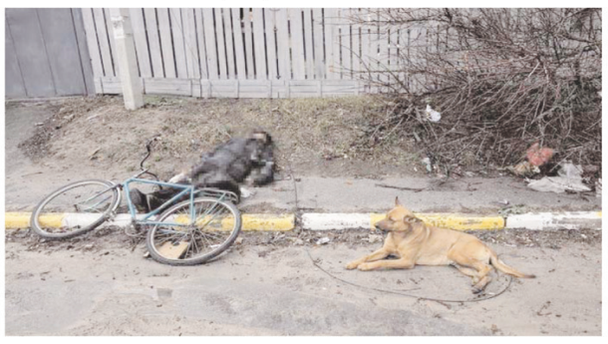

के मीडिया ने इसे जारी किया है। नेक्स्टा मीडिया आर्गनाइजेशन द्वारा जारी तस्वीर में कुत्ता अपने मालिक के शव के पास बैठा है। समीप ही मालिक की साइकल भी पड़ी है। नेक्स्टा टीवी का कहना है कि यह व्यक्ति रूसी बमबारी में मारा गया है। उसकी मौत के बाद से कुत्ता वहां से कहीं नहीं जा रहा है।

हैचिको की याद ताजा की

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तस्वीर ने 1930 के दशक में जापान के उस हैचिको कुत्ते की कहानी की याद दिला दी है, जो अपने मालिक की मौत के बाद नौ साल तक उसकी वापसी का इंतजार करता रहा था। बता दें, नाटो की सदस्यता के मुद्दे पर रूस व यूक्रेन में जंग चल रही है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर बमबारी शुरू की थी, जो अब तक जारी है। जंग में दोनों पक्षों के हजारों सैनिक मारे गए हैं। यूक्रेन में भारी तबाही हुई है। उसके हजारों नागरिक मारे गए हैं और लाखों विस्थापित होकर यूरोप के अन्य शहरों में डेरा डाले हुए हैं। बमबारी के शिकार बड़ी संख्या में बच्चे व अस्पतालों में भर्ती मरीज भी हुए हैं।

इक्काडोर जेल में हुए दंगे में 20 की मौत, 5 घायल

लंदन: इक्काडोर के अधिकारियों ने बताया कि जेल में बंदूकों और चाकुओं से लैस गिरोहों के बीच संघर्ष में 20 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने घोषणा की कि अधिकारियों ने जेल पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया है। देश के गृह मंत्री पेट्रीसियो कैरिलो ने बताया कि राजधानी से करीब 310 किलोमीटर दक्षिण में स्थित तुरी में रविवार को हुई झड़प के दौरान पांच लोगों की हत्या कर दी गई, छह को फंदे से लटका दिया गया और एक को जहर दे दिया गया। कम से कम पांच लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। 'रेडियो डेमोक्रेसी' से बात करते हुए कैरिलो ने दंगे को राजनीति से जुड़ी ''आपराधिक अर्थव्यवस्था'' संबंधित बताया। पुलिस कमांडर जनरल कार्लोस कैबरेरा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अधिकारी जेल के हर ब्लॉक की तलाशी कर रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पिछले महीने कहा था कि 2020 में इक्काडोर की जेलों में टकराव में कम से कम 316 कैदी मारे गए, जिनमें से 119 सितंबर के दंगों में मारे गए।

पाकिस्तान- राजनीतिक संकट के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोईद यूसुफ ने दिया इस्तीफा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में राजनीतिक और संवैधानिक संकट के बीच देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मोईद यूसुफ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यूसुफ ने ट्वीट किया, ''आज, मैं पद छोड़ रहा हूं और मैं बेहद संतुष्ट हूं, क्योंकि मैं जानता हूं कि एनएसए का पद और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभाग एक असाधारण टीम के साथ सक्रिय है जो पाकिस्तान को गौरवान्वित करना जारी रखेगी।''

उन्होंने प्रधानमंत्री इमरान खान और अन्य सभी को धन्यवाद दिया, जिन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभाग/रणनीतिक नीति योजना प्रकोष्ठ के कार्यालय में उन्हें राष्ट्रीय कार्य में योगदान करने का मौका दिया। यूसुफ ने एक अन्य ट्वीट में कहा,''कुछ लोग इतने भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें एक उच्च पद पर रहते हुए अपने देश की सेवा करने का अवसर मिलता है। बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जिन्हें मेरी उम्र में ऐसा करने का

अवसर मिलता है। अल्लाह की कृपा से, मुझे न केवल यह सम्मान मिला, बल्कि यह एक अविश्वसनीय दौर रहा। मैं ढाई साल के इस कार्यकाल को हमेशा याद रखूंगा।'' बहुत कम लोग भाग्यशाली होते हैं जिन्हें उच्च पद पर अपने देश की सेवा करने का अवसर मिलता है। मेरी उम्र में ऐसा करने के लिए बहुत कम लोग मिलते हैं। अल्लाह की कृपा से, मुझे न केवल यह सम्मान मिला, बल्कि यह एक अविश्वसनीय दो रहा है। -डेढ़ साल की यात्रा जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा,÷ उन्होंने ट्वीट्स की एक श्रृंखला में कहा। यूसुफ ने राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने के एक दिन बाद अपने पद से इस्तीफा दिया है। गौरतलब है कि रविवार को नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने प्रधानमंत्री खान के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। उसके बाद राष्ट्रपति ने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया।

कहा जा रहा है कि अब 90 दिनों के अंदर पाकिस्तान में फिर से चुनाव हो सकते हैं। खुद इमरान खान भी ऐसा ही चाहते हैं। वे अभी लगातार पाकिस्तानी आवाम से संपर्क साध रहे हैं, किसी ना किसी बहाने से उनको संबोधित कर रहे हैं, पूरा प्रयास किया जा रहा है कि उनकी छवि को लोगों के बीच लोकप्रिय बनाए रखा जाए।

अमेरिका ने कहा-रूस से ऊर्जा का आयात बढ़ाना भारत के हित में नहीं

वाशिंगटन: व्हाइट हाउस ने कहा है कि भारत रूस से ऊर्जा का जो आयात कर रहा है, वह उसके कुल ऊर्जा आयात का केवल एक से दो प्रतिशत है। इसके साथ ही उसने स्पष्ट किया कि ऊर्जा के लिए नई दिल्ली से किए जा रहे भुगतान पर प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने कहा कि रूस से ऊर्जा का आयात बढ़ाना भारत के हित में नहीं है और बाइडेन प्रशासन इसके लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

साकी ने कहा,'अभी भारत द्वारा रूस से आयातित ऊर्जा उसके कुल ऊर्जा आयात का महज एक से दो प्रतिशत है।' साकी अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ सलाहकार दलीप सिंह की पिछले सप्ताह हुई भारत यात्रा के संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने कहा, 'सिंह ने हमारे द्वारा लगाए गए दोनों प्रतिबंधों के बारे में विस्तार से समझाया और कहा कि किसी भी देश को उनका पालन करना चाहिए। हमने यह भी साफ किया कि उनकी निर्भरता, भले ही वह बेहद कम प्रतिशत में क्यों न हो, उसे कम करने में हमें खुशी होगी।'

किम जोंग की बहन ने दी धमकी : 'हमारे परमाणु हथियार दक्षिण कोरिया को कर देंगे तबाह', दोनों पड़ोसी देशों में इसलिए तेज हुई जुबानी जंग

इस्लामाबाद। उत्तर कोरिया के सैन्य शासक किम जोंग उन की ताकतवर बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया को तबाह करने की धमकी दी है। उसने कहा है कि यदि हमले की हिमाकत की तो उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों से दक्षिण कोरिया को तबाह कर सकता है। किम यो की तीन दिन में यह दूसरी धमकी है।

पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया के रक्षा प्रमुख सुह वूक ने उत्तर कोरिया के बार-बार मिसाइल परीक्षण को लेकर चेतावनी दी थी। किम यो जोंग ने मंगलवार को उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया

कि यदि दक्षिण कोरिया सैन्य संघर्ष शुरू करता है तो हमारी परमाणु सेना अनिवार्य रूप से अपना दायित्व निभाएगी।

सुह ने कहा था कि दक्षिण कोरिया की सेना के पास ऐसी मिसाइलें हैं, जो उत्तर कोरिया के किसी भी लक्ष्य को तेजी से व अचूक रूप से भेद सकती हैं। जब भी उत्तर कोरिया की कोई मिसाइल आती दिखी तो हम जवाबी हमले में पूरी तरह सक्षम हैं।

एक झटके में तबाह कर देंगे शत्रु सेना

सुह की चेतावनी के जवाब में किम यो जोंग ने यह भी कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु शक्ति का मुख्य उद्देश्य परमाणु प्रतिरोधक क्षमता कायम रखना है, लेकिन यदि सशस्त्र संघर्ष छिड़ा तो हम एक झटके में शत्रु देश की सेना को तबाह कर देंगे। इस घातक हमले का अंजाम यह होगा कि दक्षिण कोरिया की सेना तबाह हो जाएगी और पूर्ण विनाश व बर्बादी होगी। सैन्य शासक की बहन ने यह भी कहा कि उनका हमारी सेना से कोई जोड़ नहीं है। दक्षिण कोरिया यदि तबाही से बचना चाहता है तो अनुशासन में रहे। उत्तर कोरिया ने पिछले माह करीब पांच साल बाद अंतर महाद्वीपीय बैलेस्टिक मिसाइलों का परीक्षण शुरू कर दिया है। इससे क्षेत्र में हथियारों की होड़ व संघर्ष का खतरा फिर बढ़ गया है। उत्तर कोरिया ने अपने लंबी दूरी की मिसाइलों और परमाणु परीक्षणों को तब रोक दिया था जब किम जोंग उन और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई थी। हालांकि 2019 के बाद बातचीत बंद है। उत्तर कोरिया इस महीने अपने संस्थापक किम इल सुंग के जन्म की 110 वीं वर्षगांठ मनाएगा। सुंग मौजूदा शासक किम जोंग उन के दादा थे। इस मौके पर उत्तर कोरिया सैन्य परेड, हथियारों का परीक्षण व उपग्रह प्रक्षेपण करता रहा है।

चीन में कोरोना का कोहराम: संक्रमित मरीजों का टूटा रिकॉर्ड, कई जगह सेना ने संभाला मोर्चा, घर में कैद हुए लोग

बीजिंग। चीन में आए दिन कोरोना से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यहां 27 से अधिक प्रांत कोरोना महामारी की चपेट में आ गए हैं। देश में बीते 24 घंटों में कोरोना के 16 हजार 412 नए मामलों की पुष्टि हुई है। जो करीब दो साल पहले पहली लहर के चरम के बाद से सबसे अधिक है। शंघाई में एक दिन में रिकॉर्ड 8 हजार 581 केस दर्ज किए गए हैं। देश के कई प्रांतों में बेहद ही खतरनाक ओमिक्रोन वेरिएंट फैल गया है, जिससे लोगों के बीच एक बार दहशत का माहौल है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि चीनी प्रशासन ने देश की वीत्तिय राजधानी शंघाई में लॉकडाउन लगा दिया गया है।

इतना ही नहीं यहां दो करोड़ से ज्यादा नागरिकों की कोरोना जांच के लिए सख्त पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। बता दें कि शहर में 28 मार्च को दो चरणों के लॉकडाउन की शुरुआत हुई थी। इस दौरान लोगों को घर में रहने के लिए कहा जा रहा है। बाहर निकलने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं शहर में आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप पड़ गई हैं। विदेशों कों निर्यात किए जाने वाले सामानों की सप्लाई रोक दी गई है।

चीन के शंघाई में मरीजों से फुल हुए अस्पताल

हालात इतना खराब हो चुके हैं कि शंघाई के किसी भी

अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं बची है। इसके बावजूद चीन का दावा है कि शंघाई में कोरोना संक्रमण से अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। चीन ने जांच का बड़ा अभियान छेड़ दिया है। जांच के लिए सेना के जवानों व डॉक्टरों को बड़ी संख्या में मैदान में उतारा गया है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 2000 से ज्यादा चिकित्साकर्मियों को रविवार को शंघाई भेजा गया, ताकि वहां कोरोना जांच में नागरिक प्रशासन की मदद की जा सके। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जियांग्सू, जेजियांग और बीजिंग समेत कई प्रांतों से भी डॉक्टरों व चिकित्साकर्मियों को वहां भेजा गया है। इस तरह करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों की टीम जांच अभियान में जुटी है। शंघाई में पिछले दो-चरणों में लॉकडाउन किया गया था। इसमें सभी लोगों को घरों में कैद रहने को कहा गया है। यहां रविवार को 8,581 एसिम्टोमैटिक और 425 सिम्टोमैटिक केस मिले थे। जांच अभियान के दौरान शहरवासियों का न्यूक्लिक एसिड टेस्ट किया जा रहा है। वहीं, नागरिकों को अपने स्तर पर एंटीजन टेस्ट के लिए भी कहा गया है। वैश्विक मानदंडों के मुताबिक शंघाई में कोराना की लहर ज्यादा तेज नहीं है, लेकिन चीन जिस ढंग से कोराना टेस्टिंग, ट्रैसिंग व क्वारंटाइन के कदम कर महामारी पर काबू पाता है, उस लिहाज से यह अहम है।

श्रीलंका संकट: सरकार के खिलाफ मुखर हुए क्रिकेटर से राजनेता बने रणतुंगा

कोलंबो। पाकिस्तान में क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान अपनी कुर्सी बचाने की मशक्कत में जुटे हैं तो श्रीलंका संकट में भी अब क्रिकेटर से राजनेता बने अर्जुन रणतुंगा सरकार के खिलाफ मुखर होकर सामने आए हैं। इस बीच श्रीलंका सरकार ने साफ कहा है कि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे किसी भी हाल में इस्तीफा नहीं देंगे।

श्रीलंका में आए भीषण आर्थिक संकट और इस कारण फैली हिंसा के बीच क्रिकेटर से राजनेता बने अर्जुन रणतुंगा अपने देश के नेताओं पर खूब भड़के हैं। श्रीलंका को 1996 में क्रिकेट विश्व कप जिताने वाले अर्जुन बाद में राजनेता बने थे और देश के पर्यटन मंत्री का काम भी संभाला था। इस संकट को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में स्थितियां बहुत खराब हो चुकी हैं। आप कोरोना का बहाना नहीं बना सकते क्योंकि पूरी दुनिया इससे गुजरी है। जनता विरोध प्रदर्शनों में सिर्फ दूध, गैस, चावल, पेट्रोल जैसी बुनियादी चीजें मांग रही है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार ने अपने फायदे के लिए पूरे संविधान को ही बदल दिया है। हाल ही में यूनाइटेड नेशनल पार्टी से इस्तीफा देने वाले रणतुंगा ने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत हमारी बहुत मदद कर रहा है। भारत बड़े भाई की भूमिका निभा रहा है। इस बीच श्रीलंका सरकार ने राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे से साफ इनकार किया है। उल्लेखनीय है कि देश की इस दुर्दशा के लिए राष्ट्रपति को जिम्मेदार मानकर विपक्ष लगातार उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506